हिंदी

CLASS - 1

सत्र 2019-20

दीक्षा एप कैसे डाउनलोड करें?
विकल्प :1अपने मोबाइल ब्राउज़र पर diksha.gov.in/app टाइप करें। विकल्प :2Google Play Store में DIKSHA NCTE ढूंढ़े एवं डाउनलोड बटन पर tap करें।

मोबाइल पर QR कोड का उपयोग कर डिजिटल विषय वस्तु कैसे प्राप्त करें

DIKSHA को लांच करें –> App की समस्त अनुमति को स्वीकार करें–> उपयोगकर्ता Profile का चयन करें

पाठ्यपुस्तक में QR Code को Scan करने के लिए मोबाइल में QR Code tap करें।

मोबाइल को QR Code पर केन्द्रित करें।

सफल Scan के पश्चात QR Code से लिंक की गई सूची उपलब्ध होगी

डेस्कटॉप पर QR Code का उपयोग कर डिजिटल विषय वस्तु तक कैसे-पहुँचें

1- QR Code के नीचे 6 अंकों का Alpha Numeric Code दिया गया है।

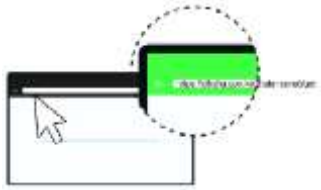

ब्राउजर में diksha. gov.in/cg टाइप करें।

सर्च बार पर डिजिट का 6QR CODE टाइप करें।

प्राप्त विषय-वस्तु की सूची से चाही गई विषय-वस्तु पर क्लिक करें।

प्रकाशन वर्ष 2019

2RTLXH

एस.सी.ई.आर.टी .छत्तीसगढ़, रायपुर

मार्गदर्शक

संचालक

एस. सी. ई. आर. टी. छ. ग., रायपुर

सहयोग

प्रो. रमाकांत अग्निहोत्री (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. हृदयकांत दीवान (विद्या भवन, उदयपुर)

श्री रोहित धनकर (दिगंतर, जयपुर)

कार्यक्रम समन्वयक

डॉ. विद्यावती चन्द्राकर

समन्वयक

डॉ. आर.के. वर्मा

संपादक

श्री राजेन्द्र पाण्डेय, स्व. डॉ. सी.एल. मिश्रा, डॉ. विद्यावती चन्द्राकर, श्रीमती विद्या डांगे

लेखन-समूह

श्री राजेन्द्र पाण्डेय, श्रीमती सुधा खरे, श्री अनूप नाथ योगी, श्री सच्चिदानंद शास्त्रीए

श्री दुर्गेश वैष्णव, श्री छलिया वैष्णव, श्री शोभा शंकर नागदा, श्री रमेश शर्मा,

श्री दिनेश गौतम, श्री विनय शरण सिंह, डॉ. राजेश शर्मा, रीता श्रीवास्तव, द्रोण साहू,

पुष्पा शुक्ला, राजपाल कौर, लक्ष्मी सोनी, श्रीदेवी, मनोज चंद्राकर, मनोज साहू, खोजन दास डिडौरी

चित्रांकन

राजेन्द्र सिंह ठाकुर, रेखराज चौरागड़े, सुश्री अनीता वर्मा, मो. इकराम, श्री राजेश सेन

आवरण एवं ले आउट डिजाइनिंग

रेखराज चौरागड़े

प्रकाशक

छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम, रायपुर

मुद्रक

मुद्रित पुस्तकों की संख्या..... -

आमुख

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 में यह स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि प्राथमिक स्तर की स्कूली शिक्षा अवश्य घरेलू भाषा के माध्यम से ही दी जाए। इस महत्वपूर्ण अनुशंसा को साकार रूप देने के लिए ही" छत्तीसगढ़ी पाठ "तैयार की गई है।

मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा के हिमायती शिक्षाविदों में महात्मा गांधी, रवीन्द्रनाथ टैगोर,स्वामी विवेकानंद भी रहे हैं। छत्तीसगढ़ बनने के बाद यद्यपि छत्तीसगढ़ी के पाठों को नई पाठ्यपुस्तकों में स्थान मिला पर उनकी संख्या कम थी। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् के प्रस्ताव पर शासन ने नए शिक्षा सत्र से हिन्दी की प्रचलित पाठ्यपुस्तकों के एक चौथाई पाठों को मातृभाषा में देने का निर्णय लिया। शासन ने यह कार्य एस.सी.ई.आर.टी .को सौंपा जिसके निर्देशानुसार स्थानीय भाषा छत्तीसगढ़ी भाषा में पाठों की रचना की गई।

मातृभाषा में अध्यापन से बच्चों की झिझक समाप्त होती है और वे खुलकर अपने विचार व्यक्त कर पाते हैं। शाला के नए परिवेश में आए बच्चों के लिए स्कूली भाषा की समस्या उनके लिए जिस अजनबीपन को लेकर आती है, मातृभाषा में शिक्षण उसे सहजता से दूर कर देता है।

मातृभाषा में संप्रेषण सहज होने से विद्यार्थियों के लिए व्यक्तित्व विकास व आत्मगौरव के अवसर जुटा देता है। आज का युग ज्ञान-विज्ञान का युग है, ज्ञान-विज्ञान को यदि बच्चे की अपनी भाषा के साथ जोड़ दिया जाए, उनकी भाषा में प्रस्तुत किया जाए तो बच्चे के लिए यह प्रगति की राह सुलभ करवाता है।
प्रारंभ में भारती के वर्तमान पाठों में से एक चौथाई पाठ उनकी अपनी मातृभाषा में दिए गए हैं। धीरे-धीरे मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा की ओर हम आगे बढ़ेंगे।

स्कूल शिक्षा विभाग एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, छ.ग .द्वारा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में दक्षता संवर्धन हेतु अतिरिक्त पाठ्य संसाधन उपलब्ध कराने की दृष्टि से एक अभिनव प्रयास है, जिसे ऑन लाईन एवं ऑफ लाईन) डाउनलोड करने के उपरांत (उपयोग किया जा सकता है। SCERT का प्रमुख उद्देश्य पाठ्यवस्तु के अतिरिक्त ऑडियो-वीडियो, एनीमेशन फॉरमेट में अधिगम सामग्री, संबंधित अभ्यास, प्रश्न एवं शिक्षकों के लिए संदर्भ सामग्री प्रदान करना है।

इस पुस्तक में मातृभाषा के पाठों में आए हिन्दी के शब्दों को हमने ज्यों' का 'त्यों ले लिया है। इसका कारण यह है कि ज्ञान-विज्ञान की भाषा में हिन्दी ने संस्कृत के शब्दों का प्रयोग जिस तरह किया है, उसी तरह मातृभाषा में हिन्दी के शब्दों का प्रयोग हो ताकि मातृभाषा उसे आत्मसात कर अधिक समृद्ध हो तथा विज्ञान जैसे विषय की पढ़ाई में बच्चों को आसानी हो। प्रारंभिक तौर पर इसे मनोरंजक बनाकर और स्थानीयता से जोड़कर प्रस्तुत किया गया है ताकि बच्चों को यह अधिक रुचिकर लगे। इस संबंध में प्रारंभिक फीडबैक हमारा उत्साह बढ़ाने वाला है तथा इस संबंध में आने वाले आपके सुझावों का स्वागत है। ये सुझाव क्षेत्रीय भाषा की पुस्तकों को बेहतर बनाने में हमारी सहायता करेंगे। पुस्तक को तैयार करने में हमें जिन विद्वानों का सहयोग प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से मिला, परिषद् उनके प्रति आभारी है।

संचालक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्
छत्तीसगढ़, रायपुर

प्राक्कथन

छत्तीसगढ़ राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् की नई किताब बनाने का उद्देश्य बच्चों को स्वतंत्र और जिज्ञासु पाठक बनाना है। परिषद् की पुस्तकों ने यह भी रेखांकित किया है कि भाषा सीखने-सिखाने का दायित्व सिर्फ भाषा की पुस्तक का ही नहीं है वरन् अन्य विषयों की भी इसमें भूमिका है। सामाजिक अध्ययन, विज्ञान व गणित की पुस्तकों को पढ़कर समझने के प्रयास से, स्वतंत्र व समृद्ध पाठक बनाना संभव होता है। पाठ्यपुस्तकों के अलावा विद्वानों द्वारा रचित साहित्य, अन्य प्रसिद्ध लेखकों द्वारा लिखी सामग्री के साथ-साथ बच्चों के लिए अन्य कहानी, कविता, नाटक आदि की पुस्तकों की भी एक महत्वपूर्ण भूमिका है। बच्चों के अनेक स्वाभाविक अनुभवों के बारे में सोचना, उनका गहराई से विश्लेषण करना व इन सबको एक-दूसरे से बाँटना न सिर्फ भाषायी समझ बढ़ाता है वरन् कई और महत्वपूर्ण क्षमताएँ भी प्रदान करता है।

कक्षा आठवीं में पढ़ने वाले बच्चों के भाषायी ज्ञान को और समृद्ध बनाना है। इसमें समझने व अभिव्यक्त करने, दोनों तरह की क्षमताएँ शामिल हैं। अच्छे लेखकों, कवियों और साहित्यकारों द्वारा लिखी कहानी, कविता, निबंध, नाटक आदि साहित्य की विधाएं तो हैं ही, साथ-ही-साथ ऐसी पुस्तकें सोचने-समझने के तरीकों को भी समृद्ध बनाती हैं। इन सभी की पढ़ने में रुचि पैदा करना ही एक प्रमुख लक्ष्य है। ज्यादातर भाषा-शिक्षण व साहित्य का उद्देश्य बच्चे के विकास व समाज के साथ उसके संबंध को गहरा करना व उसके सोचने व जीवन दर्शन को वृहद् करना है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए यह आवश्यक है कि बच्चे अच्छे साहित्य को पढ़ें-लिखें और उस पर बातचीत करें। बच्चों का पुस्तक की सामग्री के साथ संबंध गहरा हो, उनके बीच एक सतर्क पाठक का रिश्ता बने। इसके लिए वे पाठों पर आधारित नए प्रश्न बनाएँ व अपने जीवन के अनुभवों के आधार पर सामग्री में प्रस्तुत विचारों पर टिप्पणी करें।

कक्षा आठवीं के बच्चों से यह भी अपेक्षा है कि वे पाठ्यपुस्तक में प्रस्तुत विचारों तथा घटनाओं के वर्णनों आदि के बारे में सोचें-विचारें, सवाल करें और अपनी राय बनाएँ। यह सब करना कुछ हद तक संभव है। कक्षा आठवीं में हम यह भी अपेक्षा करते हैं कि बच्चे समूहों में अब ज्यादा बार खुद पढ़कर व चर्चा करके सीखें और अपनी समझ को पुख्ता करें। हमारी कोशिश है कि भाषा की पुस्तक के माध्यम से नए अनुभवों व विचारों से रू-ब-रू होने का व उन्हें अहसास करने का एक जीवंत अनुभव मिले।

शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा देने पर जोर देता है। एन.सी.ई.आर.टी.,नई दिल्ली द्वारा कक्षा 1-8 तक के बच्चों हेतु कक्षावार, विषयवार अधिगम प्रतिफलों का निर्माण कर सुझावात्मक शिक्षण प्रक्रियाओं का उल्लेख किया है। जिससे बच्चों के सर्वांगीण विकास के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकेगा। पुस्तकों में समयानुसार संशोधन तथा परिवर्धन एक निरंतर प्रक्रिया है। अतः सत्र 2018-19 हेतु पुस्तकों को समसामायिक तथा प्रासंगिक बनाया गया है। जिससे बच्चों को वांछित उपलब्धि प्राप्त करने के अधिक अवसर उपलब्ध होंगे। आशा है कि पुस्तकें शिक्षक साथियों तथा बच्चों को लक्ष्य तक पहुँचने में मददगार होंगी।

इस पुस्तक को तैयार करने में शिक्षाविदों, शिक्षकों, शिक्षक प्रशिक्षकों का सक्रिय सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इसके बावजूद पुस्तक में सुधार करने और जोड़ने की संभावनाएँ तो सदैव रहेंगी।

इस पुस्तक को और बेहतर बनाने के लिए आप अपने बहुमूल्य सुझाव परिषद् को भेजेंगे, ऐसी हमारी उम्मीद है।

शुभकामनाओं के साथ।

संचालक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्

छत्तीसगढ़, रायपुर

शिक्षकों के लिए

छत्तीसगढ़ राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् के मार्गदर्शन में कक्षा आठवीं के लिए बनी हिन्दी की नवीन पुस्तक आपके सामने है। पुस्तक बनाने में राष्ट्रीय शिक्षाक्रम पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005-को भी ध्यान में रखा गया है। पुस्तक में विषयगत एवं विधागत विविधता के साथ-साथ बच्चों की जिंदगी से जुड़े अनुभवों को ध्यान में रखकर सामग्री को संकलित किया गया है। ये पाठ साहित्य की विविध विधाओं-कविता, कहानी, वर्णन, नाटक, निबंध, पत्र, डायरी, आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, यात्रा वर्णन आदि के रूप में संकलित हैं। साहित्य की सभी विधाओं को शामिल किया जा सके, ऐसा कर पाना इस स्तर पर और एक पुस्तक में संभव नहीं है। अतः यह अपेक्षा है कि आप अन्य विधाओं की पुस्तकों को पढ़ने के लिए बच्चों को प्रेरित करेंगे। पुस्तक में संकलित पाठों पर काम करने के लिए बच्चों के बीच संवाद, चर्चा, समूह चर्चा, मौखिक कथन, वाचन, अभिनय, समीक्षा, मौलिक लेखन, सृजनकार्य आदि गतिविधियाँ प्रस्तावित की गई हैं। हमारी आपसे यह अपेक्षा है कि आप पूर्णतया इसी पुस्तक पर निर्भर न रहें। पुस्तक पर निर्भरता उतनी ही हो जितनी की जरूरत हो।

हमारी अपेक्षा है कि इस पुस्तक के उपयोग से बच्चे भाषा में रुचि बना पाएँगे और कक्षा 8 के अंत तक वे अपने मन से नई-नई कहानियाँ, कविताएँ, नाटक आदि पढ़ने लगेंगे और उन पर परस्पर चर्चा कर सकेंगे। भाषा सीखने-सिखाने के बारे में सोचते समय हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि बच्चे आस-पास के वातावरण व दुनिया को जानना व समझना चाहते हैं। हमें यह प्रयास करना है कि उनकी दृष्टि व अनुभूति अधिक संवेदनशील व गहरी हो। सामाजिक यथार्थ के बहुत बड़े हिस्से को गहराई से देखने की क्षमता हमें साहित्य से ही मिलती है। इसलिए हमारा यह प्रयास होना चाहिए कि पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त हम उन्हें कुछ अन्य सामग्री पढ़ने को दें।

इस स्तर के बच्चे स्वतंत्र रूप से पढ़ने-लिखने में आत्मनिर्भर हो चुके होते हैं। अब इन बच्चों को दी गई सामग्री पर स्वतंत्र रूप से काम करने के अवसर और नई चुनौतियाँ दिए जाने की जरूरत है। आपकी भूमिका एक मददगार के रूप में होनी है। सीखना स्वयं करने से ही होता है, अतः बच्चों को इसके लिए अधिक-से-अधिक मौका मिले।

इस स्तर के बच्चों की भाषायी क्षमताओं को आगे बढ़ाने हेतु यह पुस्तक एक आधार सामग्री के रूप में है। यहाँ उद्देश्य यह है कि बच्चे अच्छे लेखकों और कवियों द्वारा रचे गए साहित्य को पढ़ें और उस पर चिंतन मनन करें। भाषाशिक्षण का उद्देश्य बच्चों को एक अच्छा पाठक बनाने के साथ-साथ सोचने-विचारने, चिंतन करने, विचारों को विस्तारित करने, कल्पना करने तथा नई बातें खोजने, तर्क समझने आदि के लिए तैयार करना है।

यह भी अपेक्षा है कि बच्चा न सिर्फ पुस्तक की सामग्री को गहराई से समझकर उसकी विवेचना कर सके वरन् किसी भी सामग्री पर गहरे रूप से विचार करने व अध्ययन करने की क्षमता विकसित कर सकें|

इस पुस्तक की पाठ्य-सामग्री में विविधता इसलिए रखी गई है कि बच्चे हर प्रकार की सामग्री का परिचय पा सकें व उसका रस ले सकें। इस पुस्तक में अभ्यास उदाहरणस्वरूप दिए गए हैं। आप इन्हें विस्तारित कर सकते हैं। कक्षा 5 तक की पुस्तकों में हमने प्रत्येक पाठ में नए प्रश्न बनाकर मौखिक रूप में परस्पर प्रश्न पूछने और उत्तर देने के अभ्यास करवाए हैं। इस पुस्तक में भी कई जगह यह गतिविधि कराने के लिए इंगित किया गया है। बच्चे भी सोचकर सवाल बनाएँ तो उनकी पढ़ पाने की क्षमता सुदृढ़ होगी।

बच्चों की पढ़ने की क्षमता बढ़ाने व पाठ के बारे में गहरे रूप से विचार करने की समझ पैदा करने के

लिए आवश्यक है कि उसे सवालों के रूप में कुछ ऐसे स्रोत मिलें जो पाठ को समझने में उसकी मदद करें। पाठ के अंत में दिए गए प्रश्न पाठ की समझ का एक हद तक मूल्यांकन कर सकते हैं। किन्तु इन प्रश्नों का वास्तविक उद्देश्य बच्चों में पढ़ने व समझने की एक कोशिश पैदा करना है। प्रश्नों के कुछ उदाहरण पाठ में दिए गए हैं| कृपया आप स्वयं पाठ पढ़ाते समय और भी प्रश्न बनाएँ।

बच्चों से भी प्रश्न बनाने का कार्य करवाएँ। शुरू में वे नए मौखिक प्रश्न बनाकर एक-दूसरे से पूछ सकते हैं। धीरे-धीरे ये सवाल गहरे होते जाएँगे। बाद में उन्हें लिखित प्रश्न बनाने के लिए भी प्रेरित करें। इनमें से कुछ तो सूचना आधारित प्रश्न हो सकते हैं। ऐसे प्रश्नों के उत्तर सीधे पाठ से खोजे जा सकते हैं। कुछ कार्यकारण संबंध वाले प्रश्न हो सकते हैं तथा कुछ कल्पनात्मकता व सृजनात्मकता वाले प्रश्न भी होंगे। इन प्रश्नों का जवाब बच्चे अपनी भाषा में लिखें तो ज्यादा अच्छा होगा। कुछ प्रश्न पूर्ण सामग्री को समझकर उसके आधार पर हो सकते हैं या उसका सार लिखने जैसे और कुछ ऐसे भी हो सकते हैं, जो पाठ्य सामग्री में व्यक्त विचारों के बारे में टिप्पणी माँगें। अर्थ समझना पढ़ने का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है और उसी में पारंगत करना पुस्तक का एक लक्ष्य होगा।

कक्षा आठ में जिन अभ्यासों पर जोर दिया गया है, वे हैं-

- पढ़ी गई सामग्री का सार लिखना।
- सामग्री पर अपने अनुभवों के आधार पर टिप्पणी करना।
- सन्दर्भ से शब्दों को अर्थ देना व नए वाक्य बनाना।
- कहानी पढ़कर समझना और समूह में उस पर नाटक तैयार करना।
- दी गई सामग्री के आधार पर कल्पना करना, जैसे यदि ऐसा नहीं होता तो क्या होता।
- सामग्री में दिए गए घटनाक्रम, विवरण, कथन को आगे बढ़ाना व उसे और विस्तार देना।
- सामग्री में दिए गए तर्कों के आधार पर या उस जैसे तर्क सोचना व पाठ जैसे पैराग्राफ बनाना।

ये मात्र उदाहरण हैं। इनके अलावा भी और बहुत प्रकार के अभ्यास आप सोच सकते हैं। सरल पाठ पर आधारित सवाल बनाने में तो बच्चों को भी मजा आएगा।

इसके अलावा कुछ और बातें भी महत्वपूर्ण हैं। व्याकरण भाषा का हिस्सा है। वह भाषा को एक ऐसा ढाँचा देता है जिसके चलते हम एक दूसरे की बात समझ पाते हैं। व्याकरण का अहसास करना, उसके नियमों को खँगालना भाषा को समझने में मदद करता है। व्याकरण के अधिकांश नियम प्रयोग करते समय उभरते हैं। हम बच्चों को पाठ के कुछ वाक्य लेकर उनमें निहित नियम पहचानने को कह सकते हैं। इस पुस्तक में भाषातत्व और व्याकरण के अंतर्गत इसी प्रकार के प्रश्न दिए गए हैं। विराम चिह्नों का प्रयोग भाषा को समृद्ध बनाता है। केवल निर्धारित परिभाषाएँ व नियम याद करना व्याकरण नहीं है, वरन् भाषा को समझने व उसकी समृद्धि के अहसास की राह में कदम है।

कक्षा6 , 7और 8 की पुस्तकों में हमने शब्दार्थ पाठ के अंत में भी दिया गया है तथा शब्दकोश के रूप में पुस्तक के अंत में दिए हैं। हमारा विचार है कि इससे बच्चों को शब्दकोश देखना आएगा। शब्दकोश में हमने जगह-जगह रिक्त स्थान छोड़े हैं और प्रत्येक वर्ण से प्रारंभ होने वाले शब्दों के अंत में चौखाने में कुछ शब्द डाले हैं। इन शब्दों को शब्दकोश के क्रम से उन रिक्त स्थानों में भरकर इनके अर्थ लिखने हैं। आपको यह देखना है कि बच्चे यह गतिविधि नियमित रूप से करें। ये शब्द अधिकांशतः ऐसे हैं जो वे पूर्व में पढ़ चुके हैं। जिन शब्दों के अर्थ बच्चे नहीं जानते, उन्हें आप बता सकते हैं। शब्द भंडार में वृद्धि करने के लिए यह गतिविधि लाभदायक सिद्ध होगी।

एक और बात कहना आवश्यक है। जब भी हम किसी पाठ को पढ़ते हैं तो उसमें छिपे भावार्थ की समझ सबके लिए एक जैसी नहीं होती। एक ही कहानी सबको अच्छी भी नहीं लगती और उसका अर्थ भी सब एक जैसा नहीं निकालते। किंतु पढ़ने वालों की सदैव यह कोशिश होनी चाहिए कि वह न सिर्फ अपनी समझ जाने व उसे व्यक्त करें, वरन् लेखक की बात उसके नजरियें से देख पाएँ और यह जान पाएँ कि लेखक क्या कहना चाहता है। बच्चों को इस तरह के प्रयास करने के मौके देना भी आवश्यक होगा।

आपके जो भी सुझाव हों और जो नए अभ्यास आप बनाएँ उन्हें हमें लिख भेजें।

धन्यवाद।

संचालक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्

छत्तीसगढ़, रायपुर

विषय सूची

अध्याय	पाठ का नाम	पृष्ठ क्र
	चित्र पर चर्चा	I - vi
1.	आम की टोकरी	01 – 01
2.	चार चने	02 – 03
3.	चूहों! म्याऊँ सो रही है	04 - 07
4.	पगड़ी	08 – 11
5.	गमला	12 – 19
6.	अनार	20 – 26
7.	राजा आ	27 – 30
8.	इमली - ईख	31 – 36
9.	तितली	37 – 41
8.	उल्लू आया	42 – 45
11.	लालू और पीलू	46 – 54
12.	बन्दर आया	55 – 61
13	मेला	62 – 67
14	ओढनी	68 – 70
15	खिलौनेवाला	71 – 75
16	झंडा	76 – 81
17.	बन्दर और गिलहरी	82 – 86
18.	हनीम चला चाँद पर	87 – 91
19.	दौड़	92 – 95
20.	इनको भी जानो	95 – 105
	परिशिष्ट भाषाओं मै शब्दावली	106 - 108

28DI6V

पाठ-1

आम की टोकरी

छह साल की छोकरी,

भरकर लाई टोकरी।

टोकरी में आम हैं,

नहीं बताती दाम है।

दिखा-दिखाकर टोकरी,

हमें बुलाती छोकरी।

हमको देती आम है,

नहीं बताती नाम है।

नाम नहीं अब पूछना,

हमें आम है चूसना।

1.बच्चों से बातचीत करें - क्या तुम किसी ऐसे बच्चे को जानते हो जो बाजार में कोई सामान बेचता है? पता लगाओ कि वह स्कूल जाता है या नहीं। यदि वह बच्ची/बच्चा स्कूल नहीं जाती/जाता है तो स्कूल में उसका नाम लिखवाने में तुम कैसे मदद करोगे।

2.चित्र में लड़की आम बेचने का अभिनय कर रही है। बच्चों से अलग-अलग चीजों जैसे - आम, नीबू, केला, गन्ना, मूँगफली,सेब और दवा की गोली खाने का अभिनय करवाएँ।

3.अभिनय के लिए कुछ और गतिविधियाँ सोचें तथा कक्षा में करवाएँ।

2966BT

पाठ-2

चार चने

पैसा पास होता तो चार चने लाते,
चार में से एक चना तोते को खिलाते।
तोते को खिलाते तो टाँय-टाँय गाता,
टाँय-टाँय गाता तो बड़ा मजा आता।

पैसा पास होता तो चार चने लाते,
चार में से एक चना घोड़े को खिलाते।
घोड़े को खिलाते तो पीठ पर बिठाता,
पीठ पर बिठाता तो बड़ा मजा आता।

पैसा पास होता तो चार चने लाते,
चार में से एक चना चूहे को खिलाते।
चूहे को खिलाते तो दाँत टूट जाता,
दाँत टूट जाता तो बड़ा मजा आता।

चार चने होते तो

चार चने देकर इनसे क्या–क्या करवाया जा सकता है?

माली – .....

हलवाई – .....

दीदी – .....

दोस्त – .....

किसने खाया ?

चार चने में से

एक चना .....को खिलाया।

दूसरा चना ..... ।

तीसरा चना ..... ।

एक चना बच गया, उसे किसे खिलाओगे ?

.....

.....

.....

पाठ-3

चूहो! म्याऊँ सो रही है

घर के पीछे, छत के नीचे,
पाँव पसारे, पूँछ सँवारे।
देखो कोई, मौसी सोई,
नासों में से, साँसों में से।
घर घर घर घर हो रही है,
चूहो ! म्याऊँ सो रही है।
बिल्ली सोई, खुली रसोई,
भरे पतीले, चने रसीले।

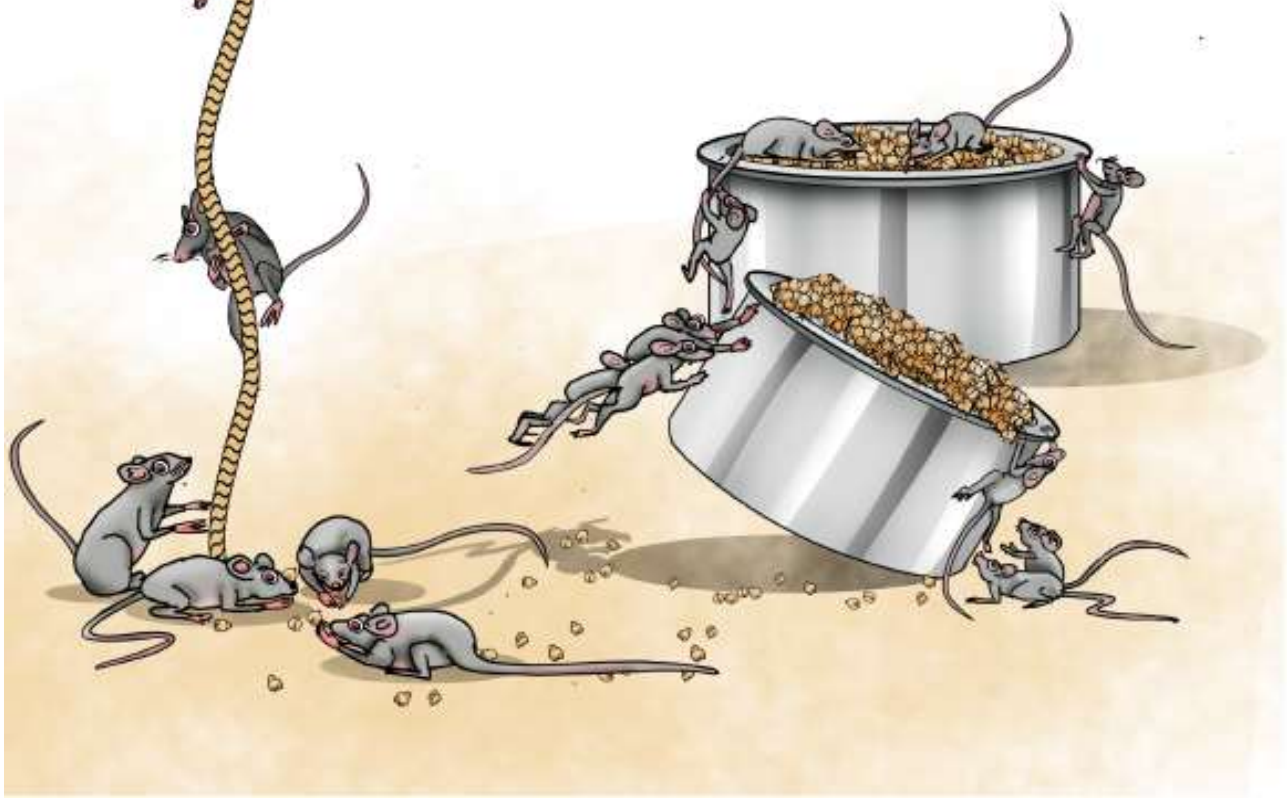

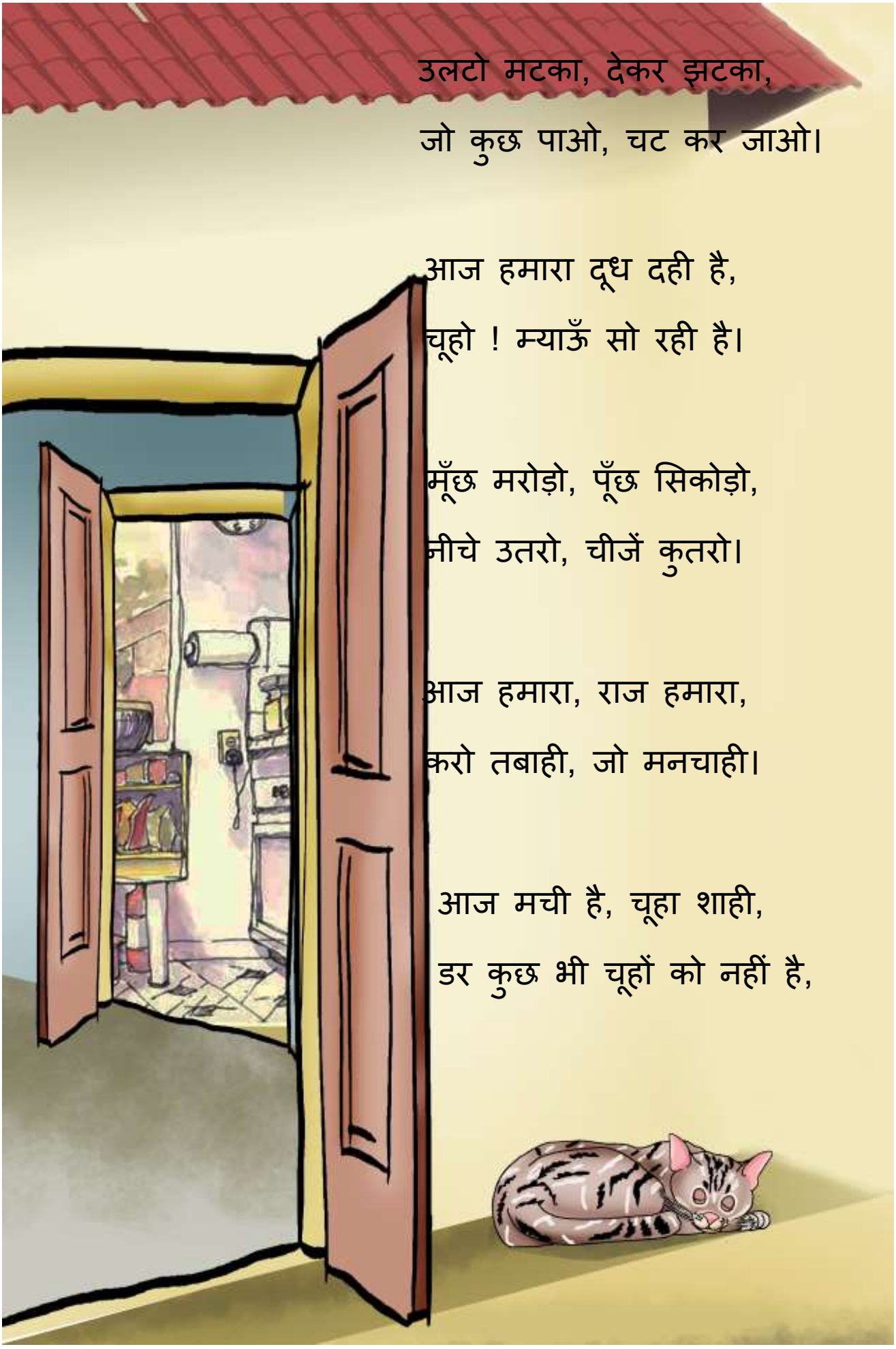

उलटो मटका, देकर झटका,
जो कुछ पाओ, चट कर जाओ।

आज हमारा दूध दही है,
चूहो ! म्याऊँ सो रही है।

मूँछ मरोड़ो, पूँछ सिकोड़ो,
नीचे उतरो, चीजें कुतरो।

आज हमारा, राज हमारा,
करो तबाही, जो मनचाही।

आज मची है, चूहा शाही,
डर कुछ भी चूहों को नहीं है,

गतिविधि

1. पढ़ो –

2. चलो, चूहा बनाओ

3. तुक मिलाओ, आगे बढ़ाओ

29XTGR

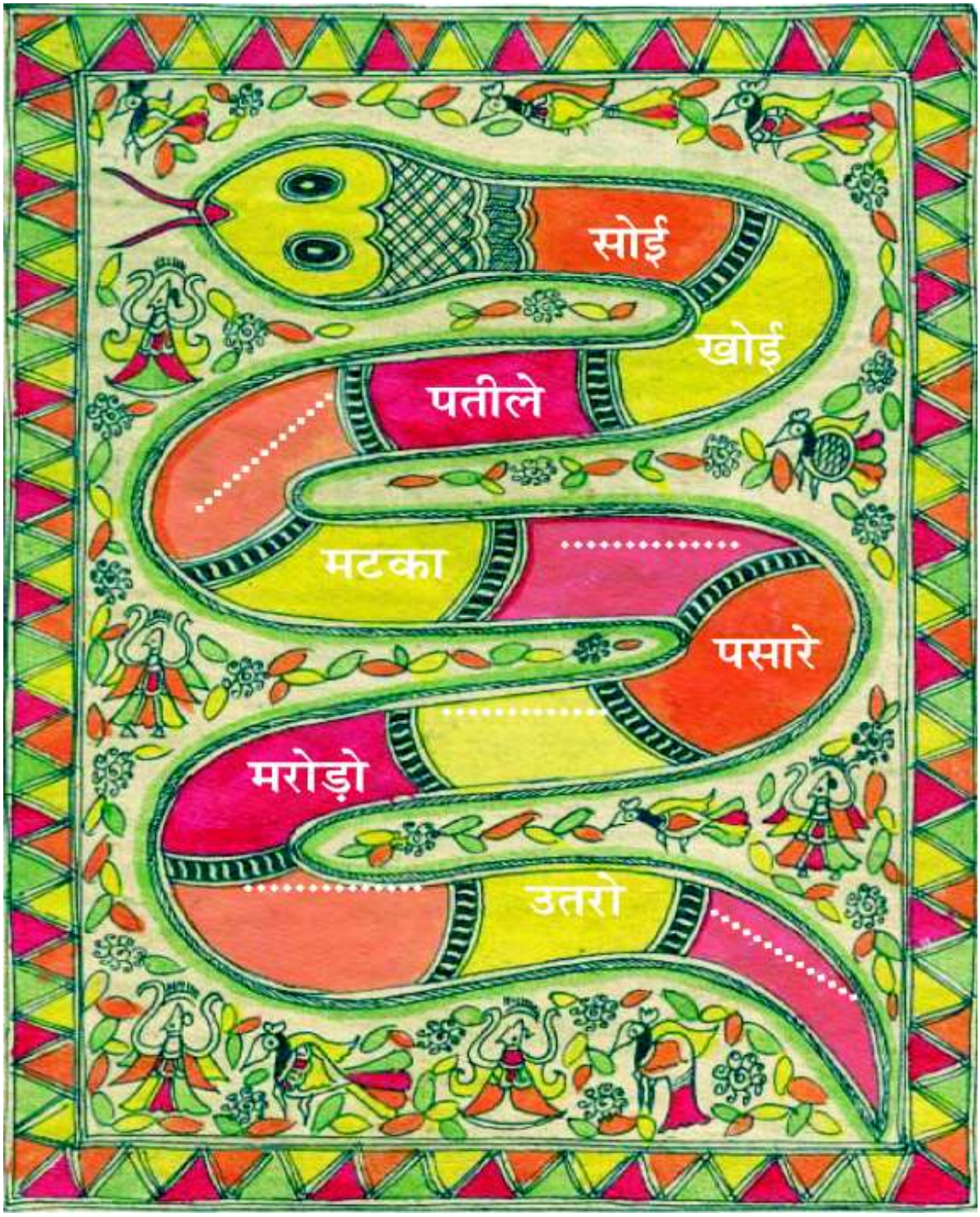

इस चित्र पर बच्चों से चर्चा करें।

पाठ-4

पगड़ी

मैली पगड़ी,
इतनी रगड़ी,
इतनी रगड़ी,
इतनी रगड़ी,
रह गया मैल,
फट गई पगड़ी।

हट्टी-कट्टी,
मोटी-तगड़ी
मलकिन झगड़ी
इतनी झगड़ी,
इतनी झगड़ी,
इतनी झगड़ी,
इतनी झगड़ी,
तर गया मैल,
और तर गई पगड़ी।

सफाई- मालकिन ने मैली पगड़ी खूब रगड़ी। तुम इन चीजों को किससे साफ करोगे ?

1. कागज .....

2. बर्तन .....

3. पत्ते.....

4. जूते.....

5. दाँत.....

पगड़ी को खूब रगड़ा तो पगड़ी फट गई। बताओ, इनको खूब रगड़ोगे तो क्या होगा ?

1. कागज.....
2.बर्तन.....

3.जूते.....

4.स्वेटर.....

5. फर्श..... चमक जाएगा .....

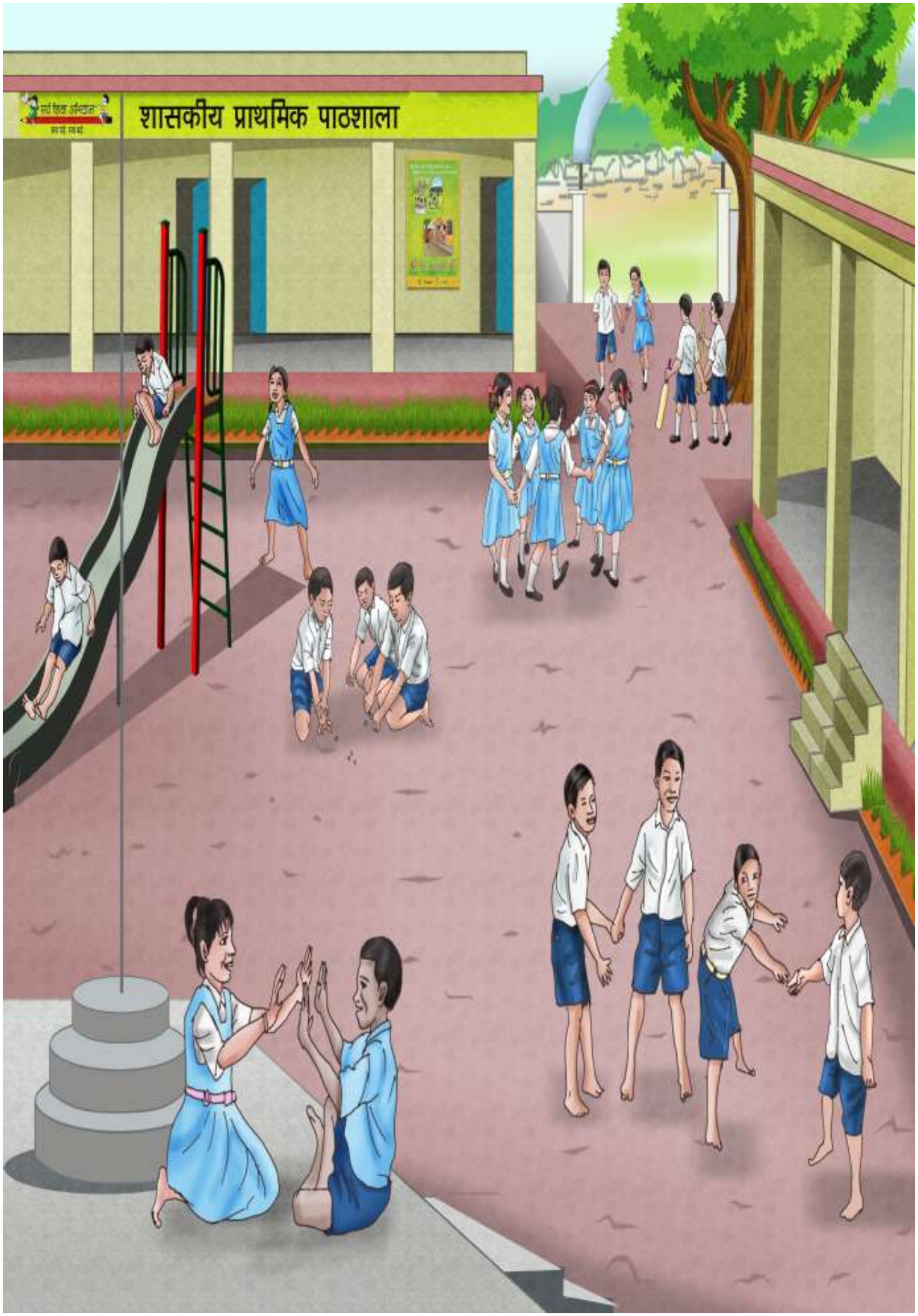
शासकीय प्राथमिक पाठशाला

इस चित्र के बारे मे बच्चों से बातचीत करें– यह स्कूल मे किस समय का दृश्य है? बच्चे क्या कर रहे है? बच्चे कौन–कौन से खेल, खेल रहे है? चित्र मे कितने बच्चे है और कितने बड़े है? आपस में कौन क्या बात कर रहा होगा? बच्चों से चित्र में सबके लिए नाम सोचने को कहें।

पाठ-4

गमला

गमला फूलोंवाला लाओ,
अपना घर-आँगन महकाओ।
नल से पानी लेकर आओ,
पौधों की तुम प्यास बुझाओ।
मछली देखो, आओ-आओ,
रस्सी कूदो, नाचो, गाओ।

गतिविधि

1. बच्चो से बातचीत करें –

और कैसे-कैसे गमले तुमने देखे हैं, चित्र बनाओ –

2. पढ़ो –

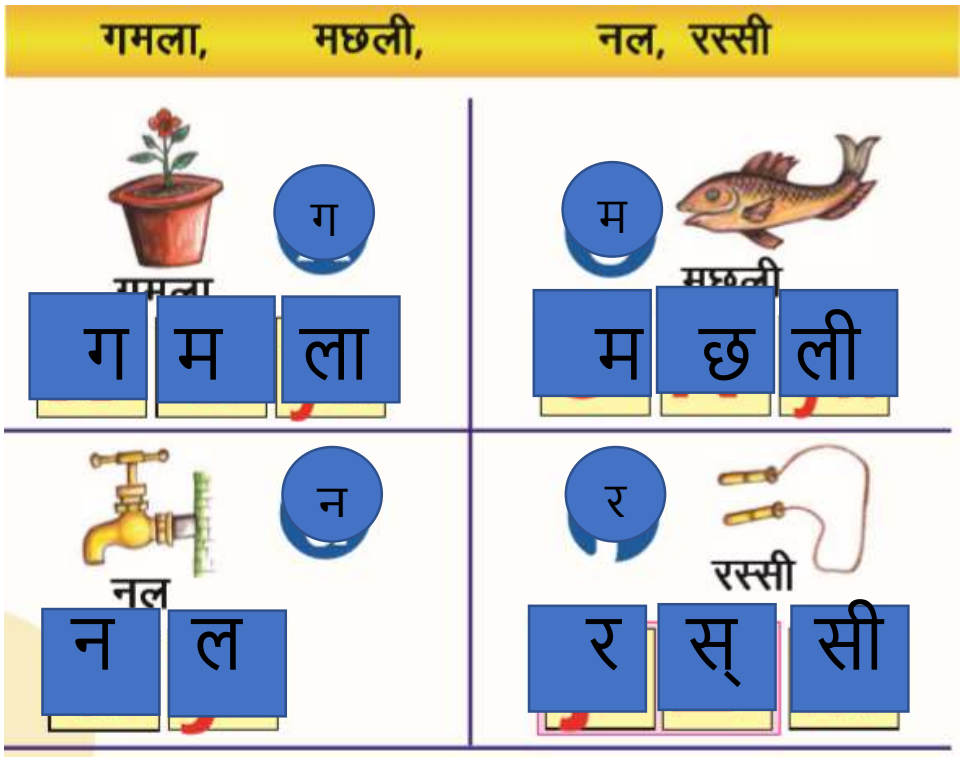

3. रेखा खींचकर- शब्दों को चित्रों से मिलाओ –

4. पहचानो और गोल घेरा लगाओ –

ग	ग ज	ज ग	म ग र	ग ग न	अ ल ग
म	म ग	ह म	म ग न	च म न	क ल म
न	न र	म न	अ म न	न म न	व ज न
र	र स	घ र	र ब र	श ह र	ग र म

4. खाली जगह पर 'न' लिखकर शब्दों को पढ़ो –

.....ाक

.....क्शा

.....ाखून

.....ारंगी

.....ाव

5. मटके में क्या-क्या ?

चित्रों के बीचो-बीच एक मटका बना हुआ है। तुम इस मटके में क्या क्या रख सकते हो ? निशान लगाओ।

6. पढ़ो और समझो-

नरम है रोटी, दाल गरम,
नरम है भाजी, भात गरम।
नरम है भजिया,
चाय गरम,
खाओ सब कुछ,
नरम-गरम।।

7. चित्र देखकर पढ़ो और लिखो-

मग

मगर

---

8. पढ़ो और लिखो –

नग	नगर	नर	नरम
____	_____	____	____
____	_____	____	____

9. वर्णों को जोड़ों व पढ़ो –

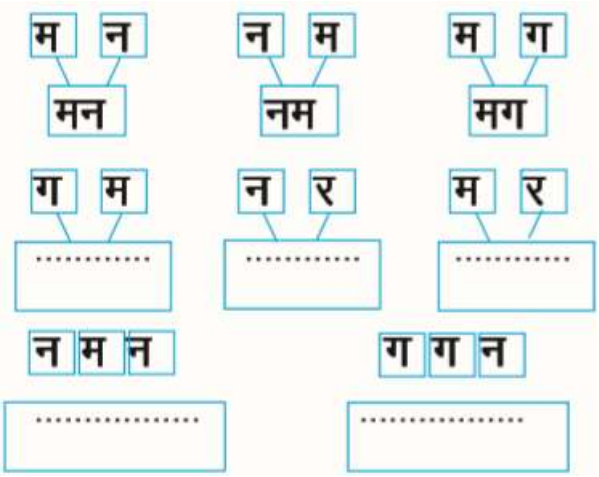

10. शब्दों से वर्णों को अलग करो –

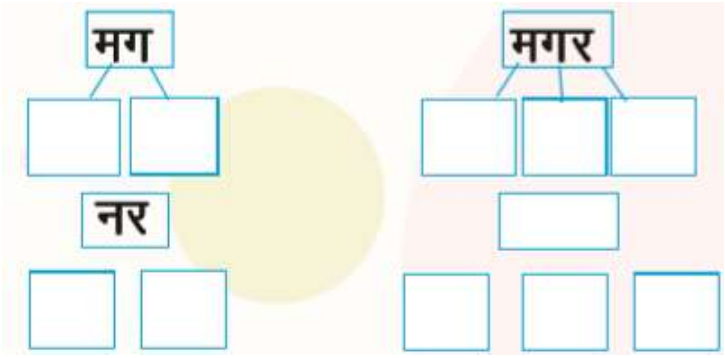

पाठ-6

2B98PZ

अनार

नानी खाए लाल अनार,

चूसे आम पका रसदार।

लड़की गाती बढ़िया गाना,

रखे सरौता सुनते नाना।

मोनू का चल रहा जहाज,

कमल खिले हैं सुन्दर आज।

गतिविधि

1. चित्र देखकर पढ़ो-

अनार, आम, कमल, जहाज, सरौता, लड़की

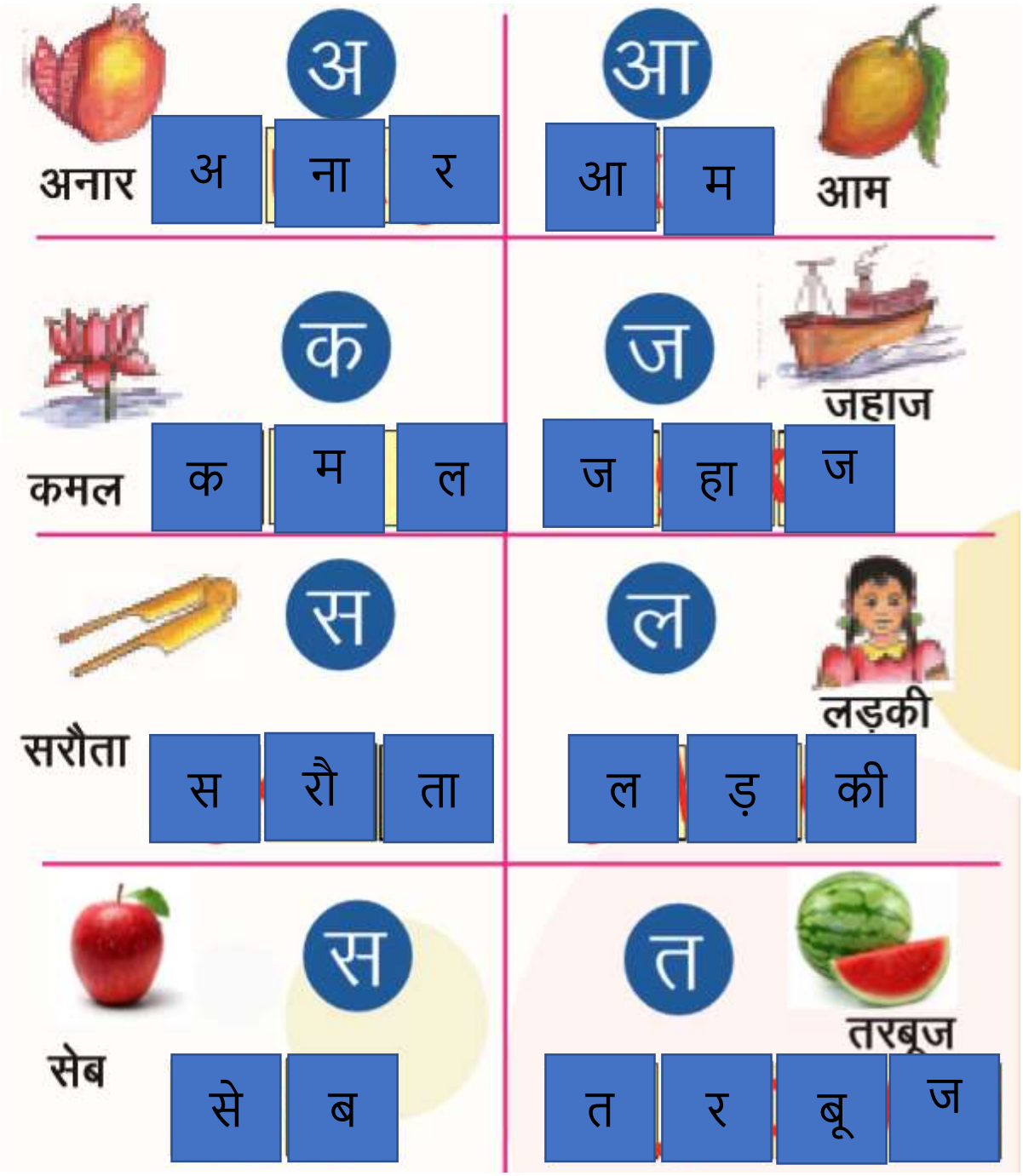

2. चित्रों को देखकर बोलो और उनकी पहली आवाज पहचानकर गोला लगाओ।

निर्देश:-शिक्षक बच्चों को इन वर्णो से शुरू होने वाले अन्य शब्दों को भी बोलने के लिए प्रेरित करें।

3.दिये गये चित्रों को देखकर उनके नाम अपने भाषा में बोलो।

4. चित्रों से मिलान करो –

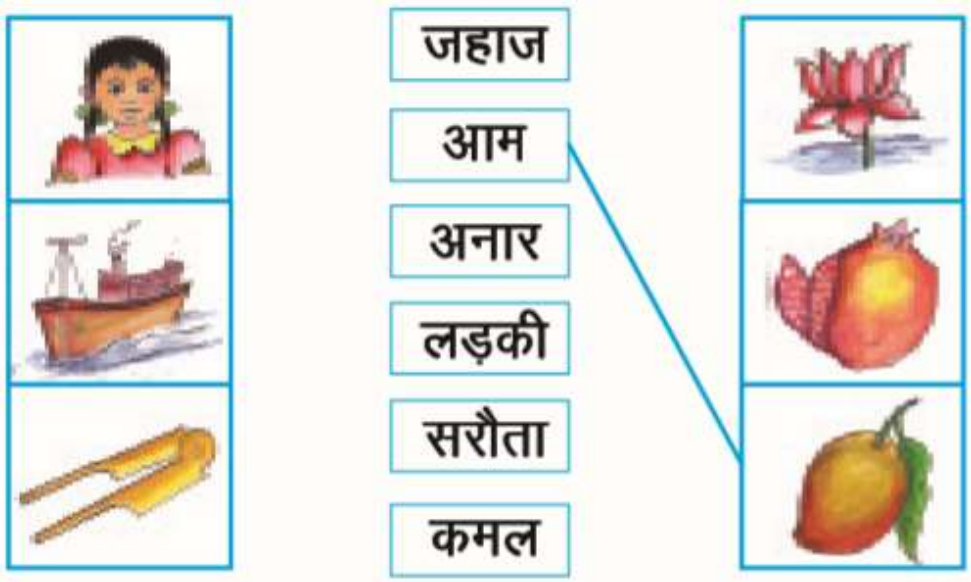

5. चूसकर खाने वाले फलों के चित्र पर गोला लगाओ।

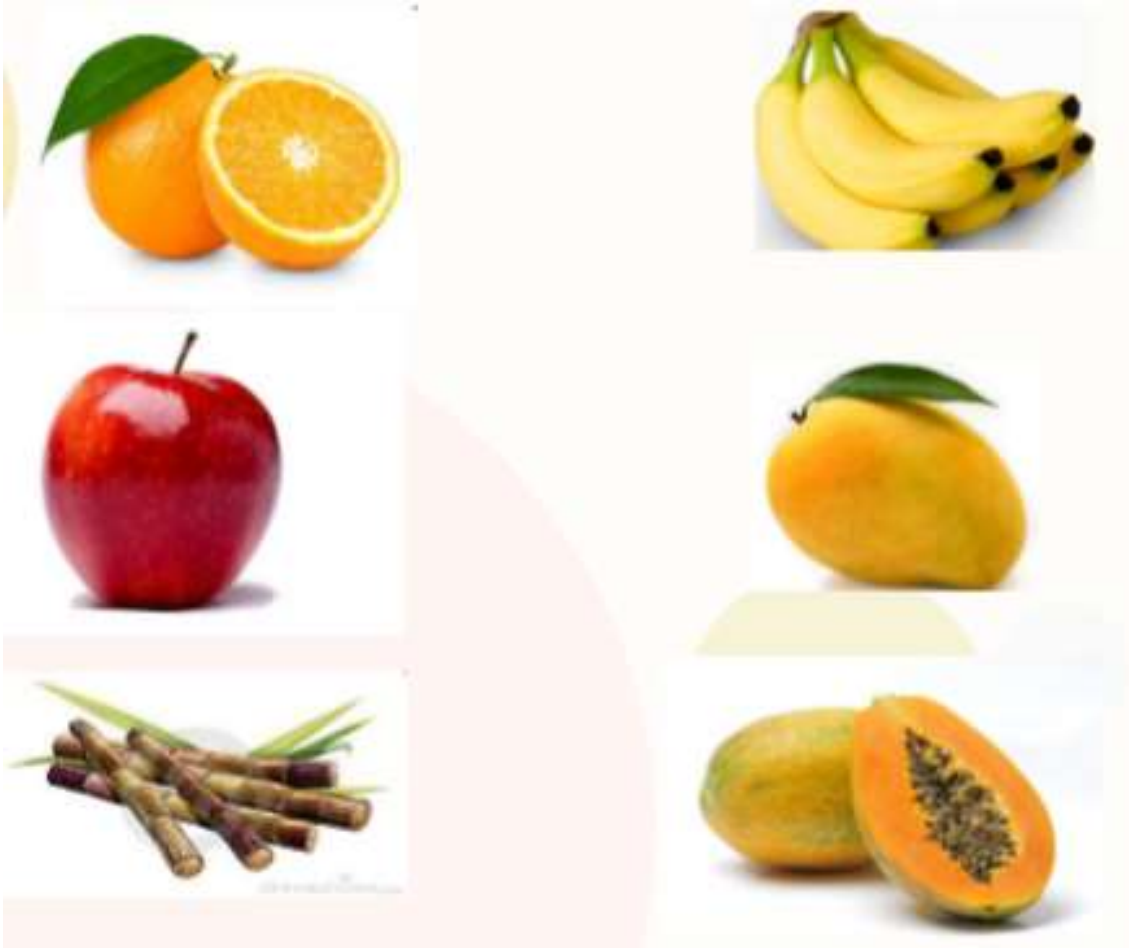

6. तुक मिलाओ, आगे बढ़ो।

7. बिन्दु जोड़कर चित्र पूरा करो और रंग भरो-

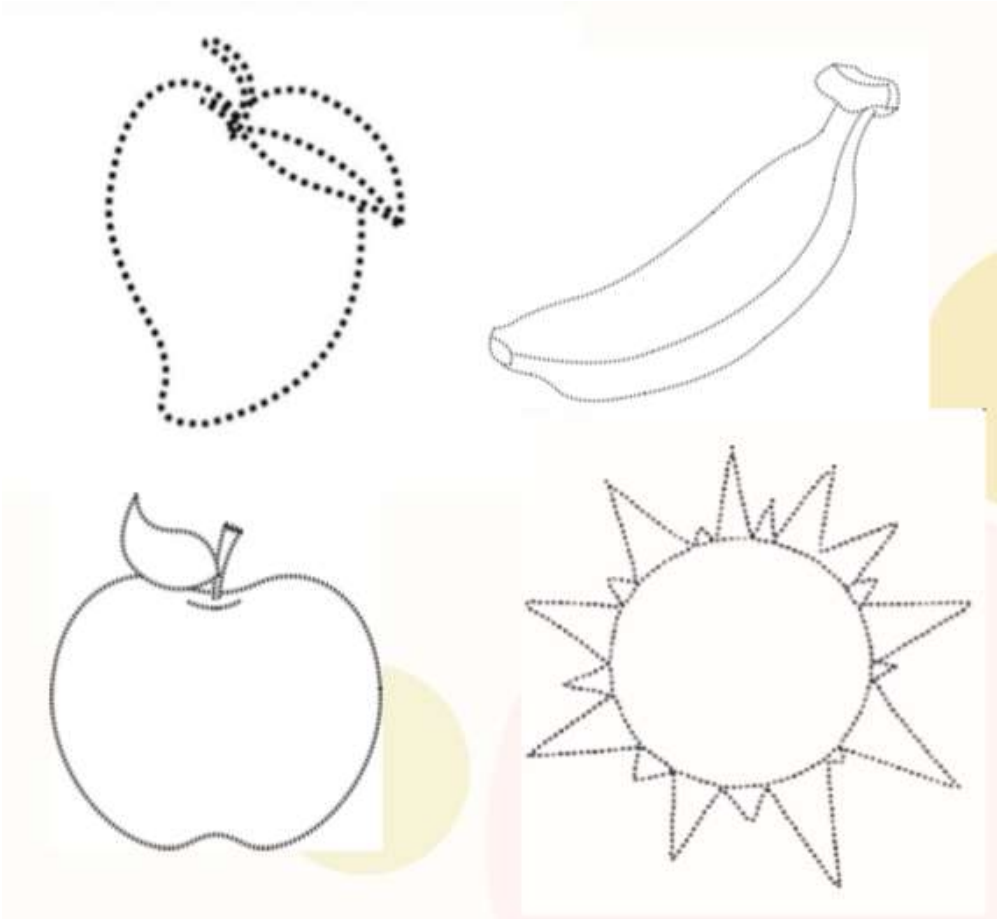

8. नीचे दी गई वस्तुओं को किस चीज से काटोगे, बताओ -

9. पढ़ो और बढ़ो -

बिल्लस खेल

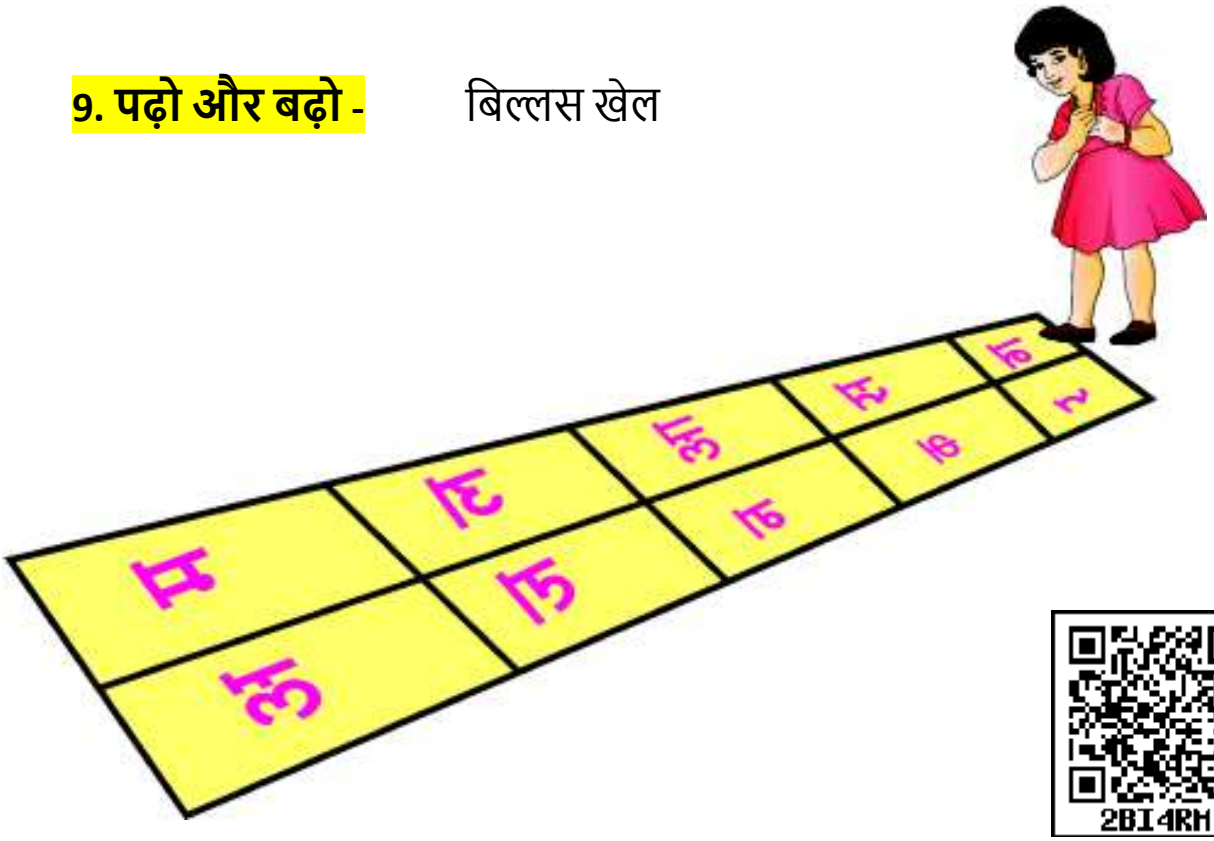

निर्देश:-जमीन पर बिल्लस बनवाएँ और खिलवाएँ।

10. आम से संबंधित कविता/कहानी सुनाओ।

पाठ-7

राजा आ

आजा आ राजा
मामा ला बाजा।
कर मामा ढम-ढम
नाच राजा छम-छम।।

गतिविधि

1. चित्र देखकर पढ़ो और समझो-

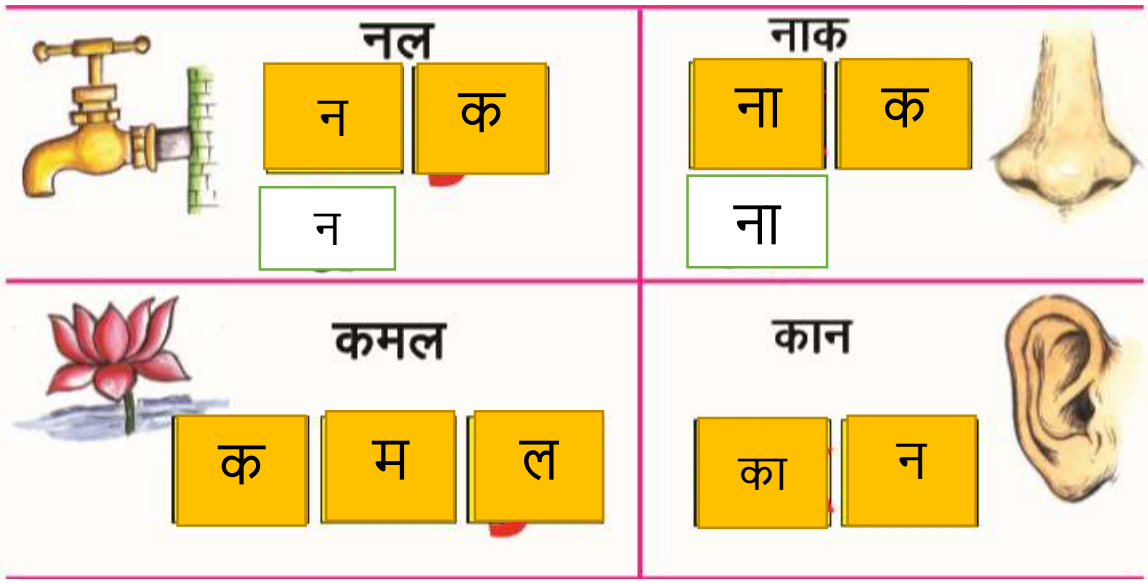

2. पहचानो और नाम लिखो -

का		जा			ग

3. पढ़ो-

राजा आ।
काम कर।
मामा का काम कर।
आग जला।
जल गरम कर।
कल आराम करना।

नजमा आ।

अनार ला।

नाना का काम कर।

आम का रस ला।

गाना गा।

4. मिलाकर लिखो और पढ़ो -

आ म - आम	आ ना - आना
ना म ----	ना -- ----
का म ----	ला -- ----
रा -- ----	गा -- ----
जा -- ----	जा -- ----
का ला- काला	ग ला - गला
ला -- ----	म -- ----
जा -- ----	ज -- ----
ना -- ----	क -- ----
मा -- ----	ल -- ----

5. 'T' की मात्रा जोड़कर लिखो

कल - काला	बल - ----
तल - ----	जल - ----

6. वर्ग में दिये गये वर्णो से शब्द

मा	ला	ता
जा	का	सा
ना	आ	गा

---------- ---------- ----------

---------- ---------- ----------

---------- ---------- ----------

2C1VUX

पाठ-8

इमली-ईख

खट्टी इमली मीठी ईख
चरती बकरी वन के बीच।

चलो पपीता खाएँ हम,
तबला खूब बजाएँ हम।।

गतिविधि

1. बच्चों से बातचीत करें -

1. कुछ खट्टी चीजों के नाम बताओ।
2. कुछ मीठी चीजों के नाम बताओ।
3. तुम्हें कौन-कौन से फल पसंद हैं ?

2. पढ़ो- इमली, ईख, पपीता, वन, बकरी, तबला

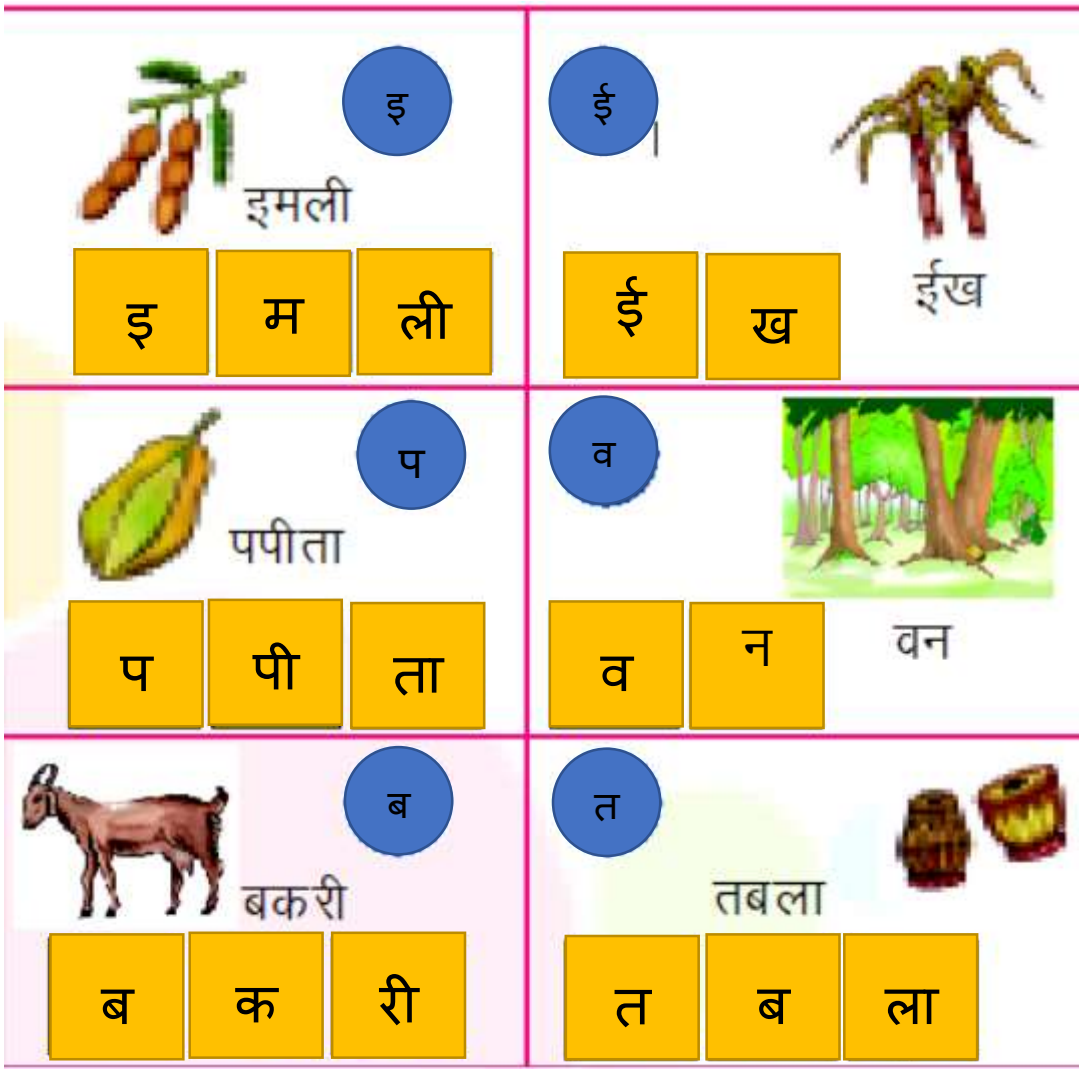

3. अभिनय करो -

- तबला बजाने का।
- बकरी की आवाज का।
- बस चलाने का।
- ऐनक पहनने का।
- इमली खाने का।

4. चित्रों से शब्दों का मिलान करो -

5. ऐसे शब्द बताओ जिसमें प,व,ब,त की आवाज हो -

6. छूटे हुए वर्णो को लिखो

.....न .....पीता .....ख

.....करी .....मली .....बला

7. इन चीजों को बजाकर देखो कैसी आवाजें आएगी,

टेबल, खिड़की, दरवाजा, घण्टी, ताली, चुटकी

8. शब्द बनाकर लिखो

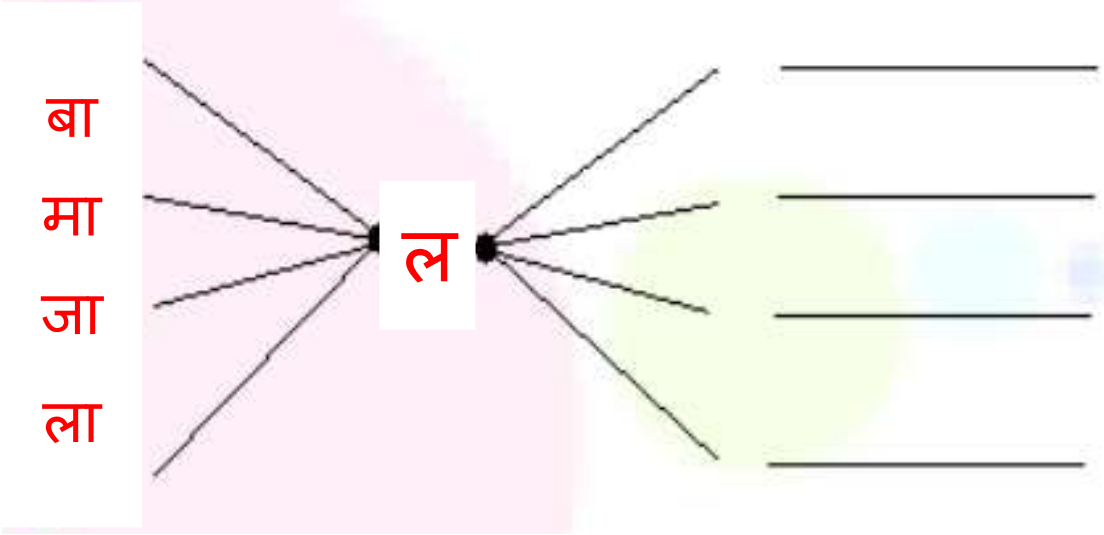

9. इन चीजों को खाने से तुम्हें कैसा लगेगा -

चीजें	खट्टा	मीठा
जलेबी		
सेब		
नीबू		
केला		
आम		
इमली		

10. अपने मनपसंद फल का चित्र बनाकर रंग भरो-

11. तुक मिलाओ आगे बढ़ाओ -

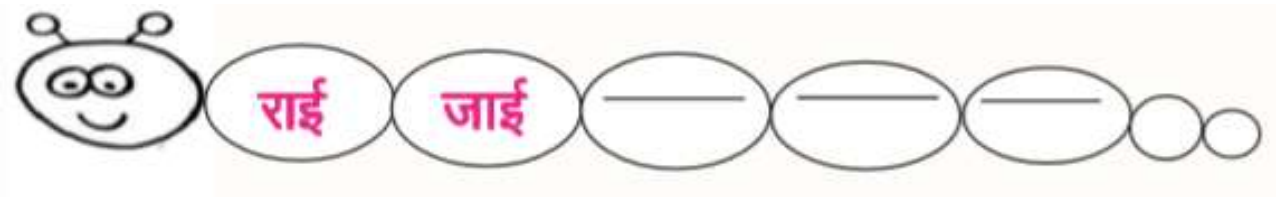

12. वर्णों को जोड़कर शब्द बनाओ -

आ	ज	प
ल	म	ई
ब	स	क
न	ग	र

....

....

....

पाठ-9

तितली

रंग-बिरंगी प्यारी तितली,
सबके मन को भाती है।

बैठ फूल पर जब रस लेती,
सबका मन ललचाती है।

गतिविधि

1. चित्र देखकर पढ़ो और समझो-

'ि' की मात्रा –

तबला

त | ब | ला

त

तितली

ति | त | ली

ति

कप

क | प

क

किताब

कि | ता | ब

कि

'ी' की मात्रा –

बस

ब | स

बीन

बी | न

जग

ज | ग

जीभ

जी | भ

2. आओ शब्द बनाएँ –

गा	कि	ता	ब	जा
पा	मा	र	क	ल
न	ला	न	पी	नि
ति	आ	बा	क	प
अ	जी	भ	व	न

----

3. पढ़ो और समझो –

किरन जा। नल का पानी ला।

मग से पानी निकाल।

विमल गिलास ला।

पानी पिला।

नानी आ, पानी पी,

अब काम मत कर।

बस आराम कर।

राग़िनी अब गाना गा।

कपिल तबला बजा।

4. आओ, शब्द बनाएँ-

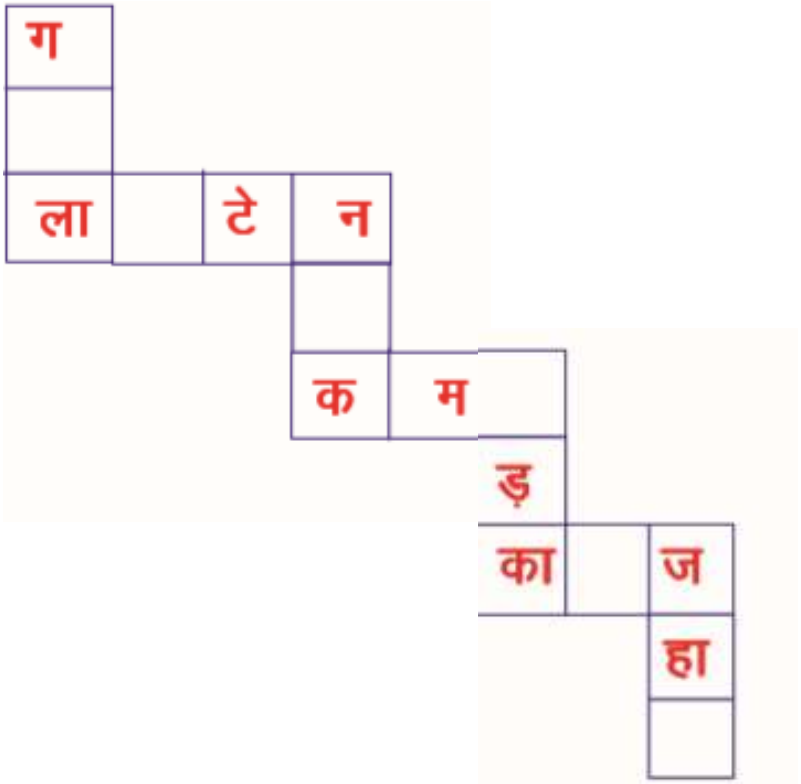

5. किरण ने मग से पानी निकाला। तुम इन चीजों से क्या करते हो?

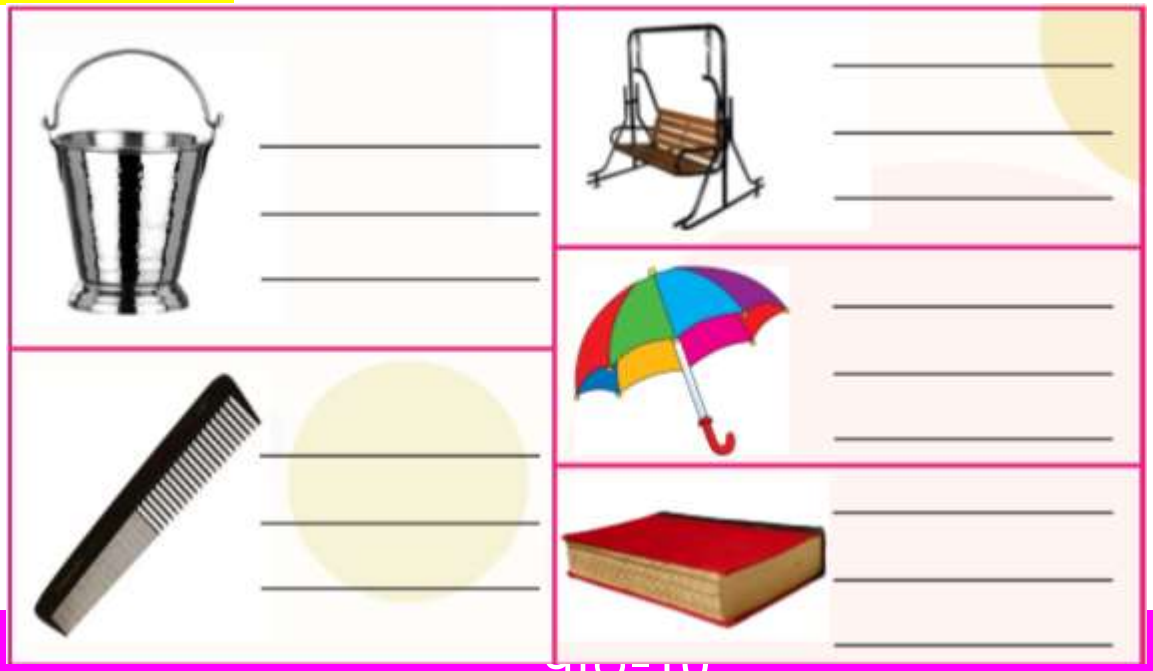

उल्लू-आया

उल्लू आया, उल्लू आया।
एक ऊन का गोला लाया।
चरखा बोला, चूँ-चूँ-चूँ।
खरगोश बोला, कूँ-कूँ-कूँ।
देखो रंग से भरी दवात,
है किसान भी हल के साथ।

गतिविधि

1. चित्र देखकर पढ़ो और समझो-

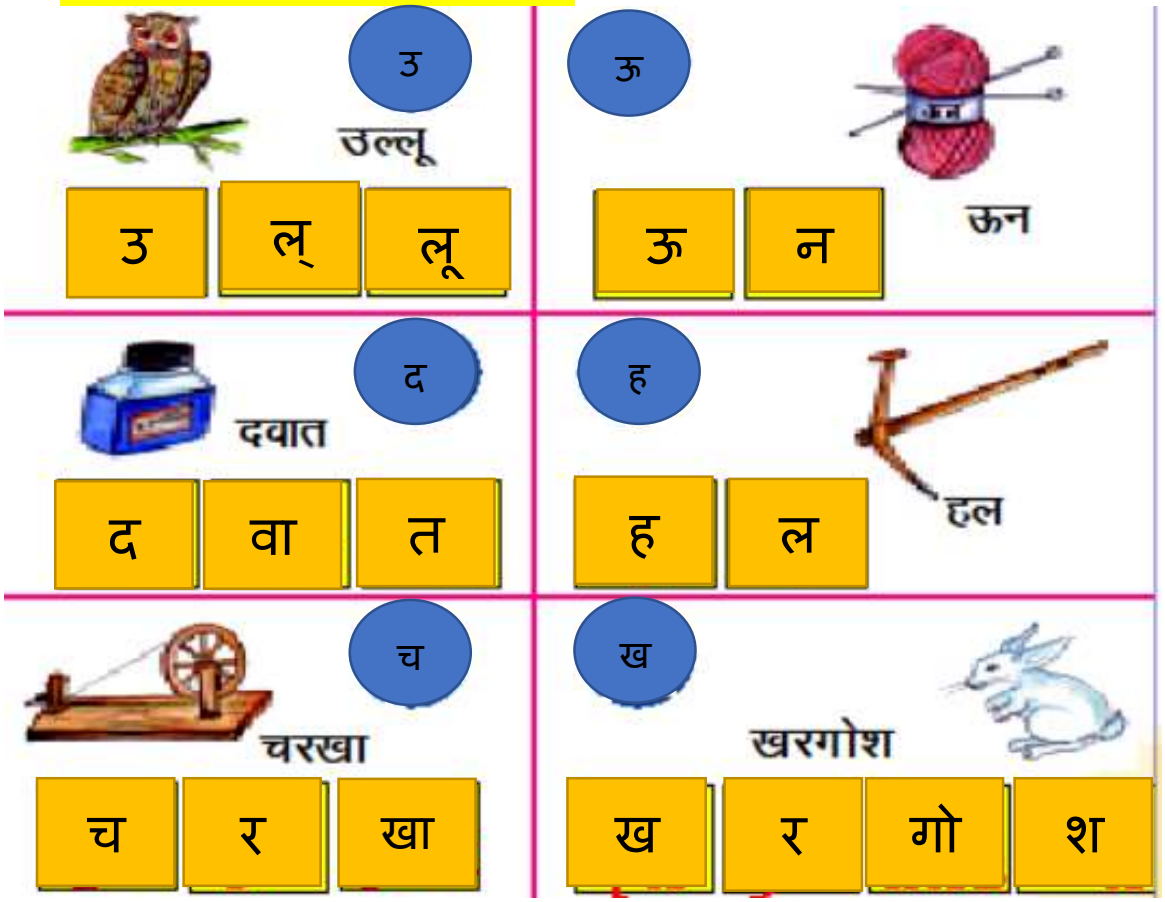

2. वर्णों को चित्रों से मिलाओ-

3 र्णों को शब्द मिलाओ -

4. दिए गए वर्णों के आधार पर शब्द बनाओं-

उ	द	वा	त
ल्लू	च	र	खा
ख	र	गो	श
ऊ	न	ह	ल

5. बताओ, ये चीजें कैसी आवाजें करती हैं?

चीजों के नाम	आवाज
घंटी के बजनें की आवाज	टन–टन
मोटर के हार्न की आवाज	
टेबल खींचने की आवाज	
पंखे के चलने की आवाज	
दरवाजा बंद करने की आवाज	

बिंदुओं को पूरा कर रंग भरो और बताओ हम कौन है?

2DL75T

पाठ-11

2DV37G

लालू और पीलू

एक मुर्गी थी। मुर्गी के दो चूजे थे।

एक का नाम लालू। दूसरे का नाम था पीलू।

लालू लाल चीजें खाता था।

पीलू पीली चीजें खाता था।

एक दिन लालू ने एक पौधे पर कुछ लाल-लाल देखा।

लालू ने उसे खा लिया।

अरे, यह तो लाल मिर्च थी !

लालू की जीभ जलने लगी। वह रोने लगा।

मुर्गी दौड़ी हुई आई। पीलू भी भागा। वह पीले-पीले गुड़ का टुकड़ा ले आया।

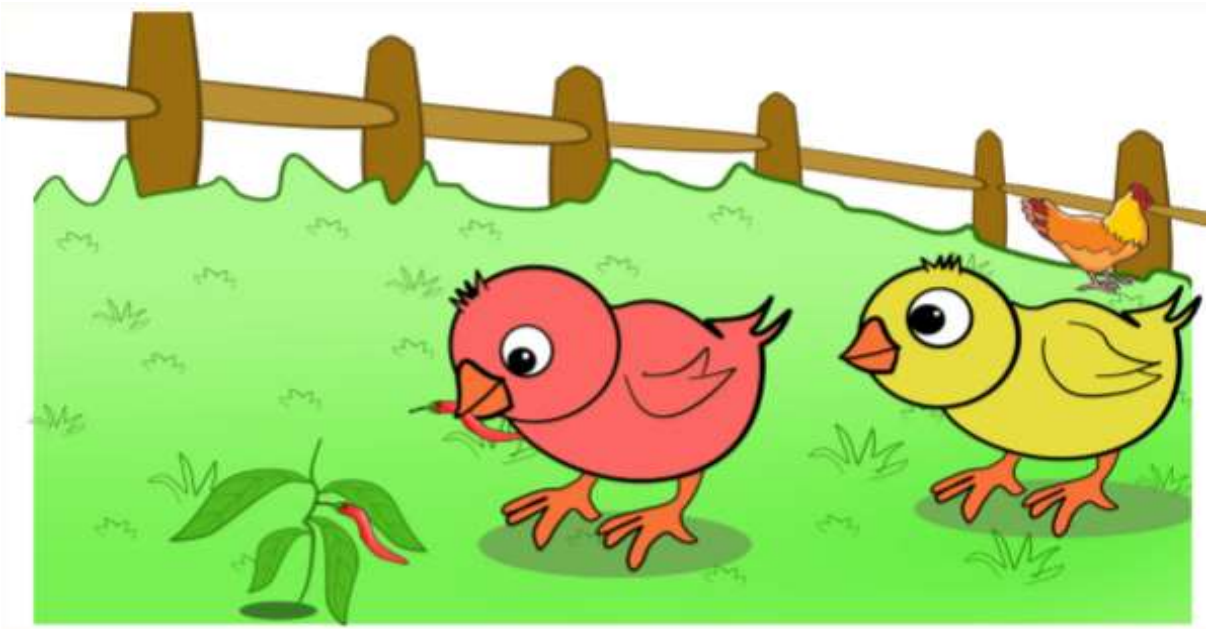

लालू ने झट गुड़ खाया। उसके मुँह की जलन ठीक हो गई।

मुर्गी ने लालू और पीलू को लिपटा लिया।

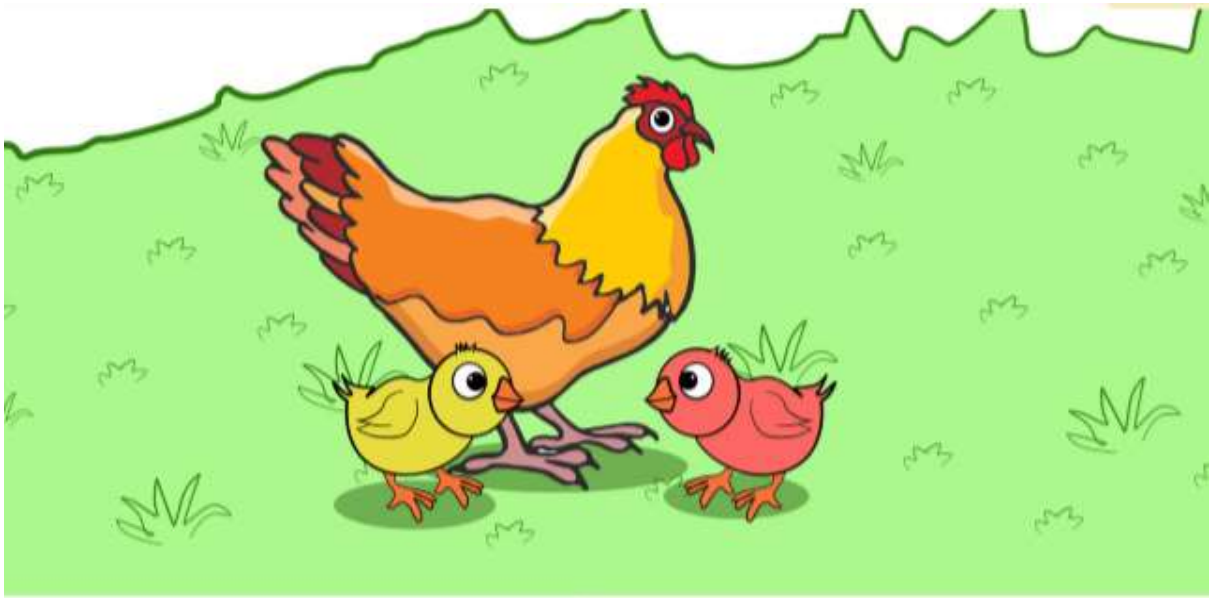

गतिविधि

1. क्या होता ?

1.अगर लालू और पीलू को सफेद और हरी चीजें पसंद होतीं तो क्या उनके नाम अलग-अलग होते ?

.....

2.फिर वे क्या-क्या खाते ?

....

....

....

....

3.लाल मिर्च खाते ही लालू की जीभ जल गई। तुम्हारी जीभ क्या-क्या खाने-पीने से जलती है ?

....

....

4.जीभ जलने पर तुम क्या करते हो ?

.....

.....

.....

2. लय एवं अभिनय के साथ गाओ –

झूल रही नीचे की धरती,

उड़ चल, उड़ चल,

उड़ चल, उड़ चल,

बरस रहा है रिमझिम, रिमझिम,

उड़कर मैं लूटूँ दल-बादल।

3.बताओ, इनमें किन चीजों पर तुम झूले की तरह झूल सकते हो ?

4.अपने अनुभव बताओ -

मुझे ..... पर झूलने में मजा आता है।

मुझे ..... पर झूलने में डर लगता है।

मुझे ..... पर झूलने पर डाँट पड़ती है।

5. तुम इन झूलों पर भी झूले होंगे। इन झूलों को तुमने कहाँ-कहाँ देखा है?

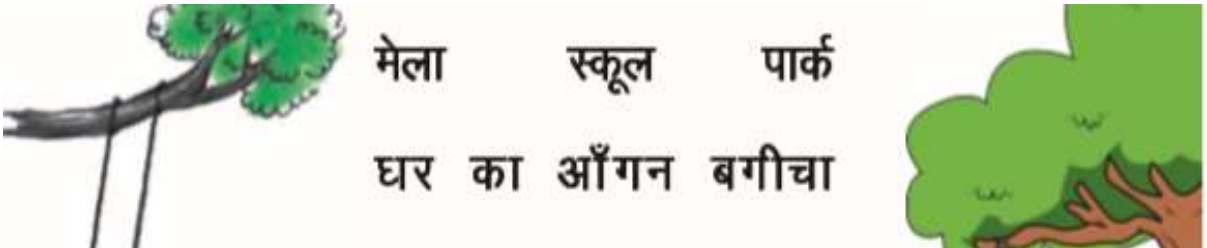

6. झूलते समय तुम्हें क्या-क्या चीजे दिखाई देती है?

7. चित्रों को शब्दों से मिलाओ -

ठेला

झूला

8.खाली जगह भरो और फिर छुपने की इन जगहों पर

बच्चों के चित्र बनाओ।

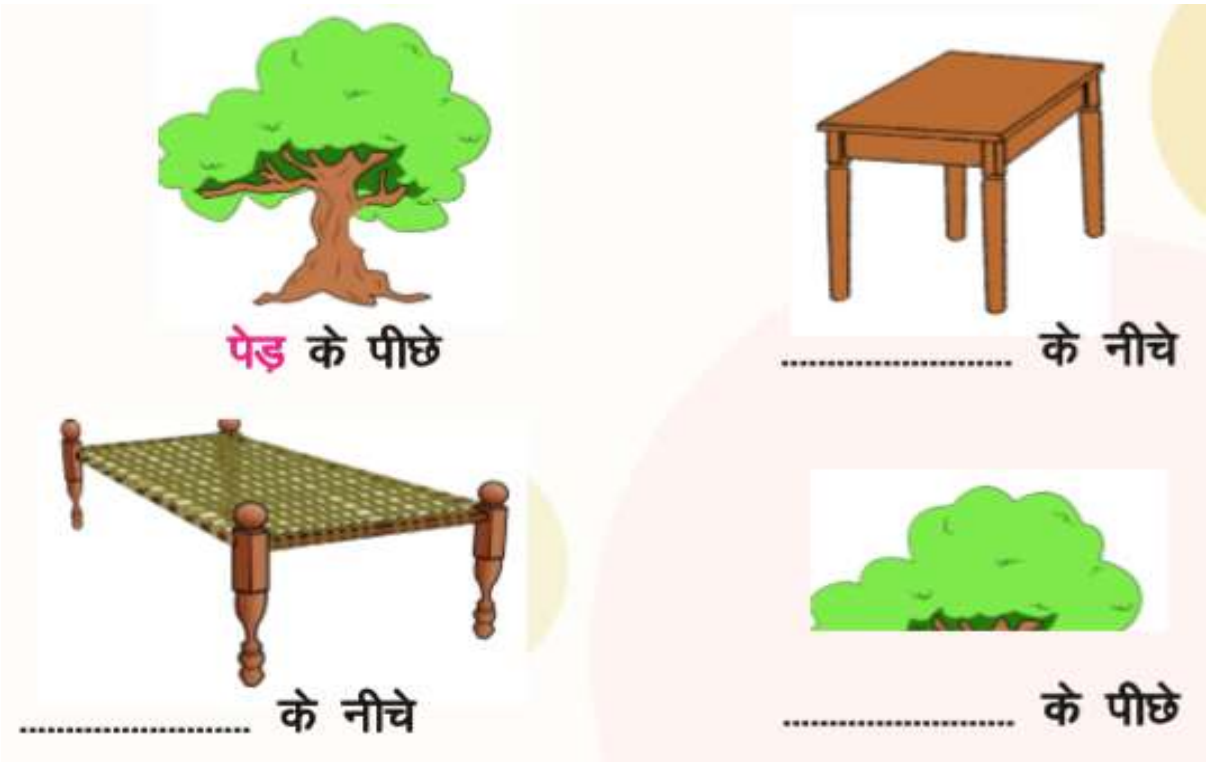

9. चित्र से वर्ण की पहचान -

10.ऊपर बनी चीज़ों के नाम अक्षरों के नीचे लिखो जो उनमें आते हैं।

ठ	छ	म	अ	न
	मछली	मछली		

2E4Y94

यहाँ मछली दो बार लिखा गया है। क्या किसी और चीज का नाम भी तुमने दो बार लिखा है ?

.....

पाठ-12

बंदर आया

खाकर फल और भटा, टमाटर,

ऐनक लगाए निकला बंदर।

बैठा देखो एक ठठेरा,

ठक-ठक करता शाम सवेरा।।

गतिविधि

1. चित्र देखकर पढ़ो और समझो-

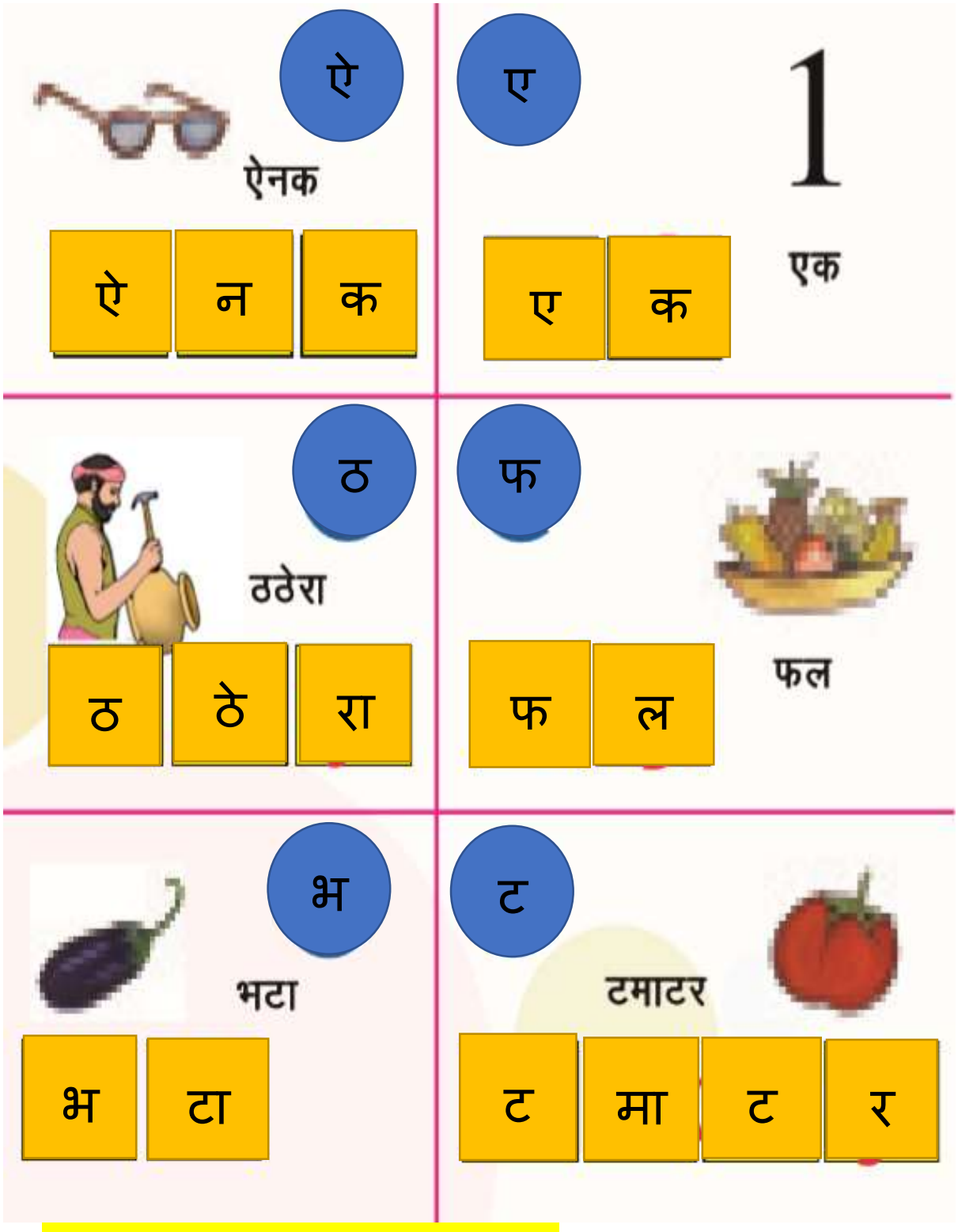

ए	-	ए क	खाएगा	गए	एकता
ऐ	-	ऐसा	ऐनक	ऐरावत	ऐठन
भ	-	भवन	भटा	लाभ	नभ
फ	-	उफ	कफ	फल	उफन
ट	-	टप	पट	मटका	टमाटर
ठ	-	पाठ	ठक	बैठक ऐठन	

3. पढ़ो –

ट ठ	प फ	भ म	स ह	ए ऐ
अ आ	इ ई	उ ऊ	व श	द ध

4. मिलाओ –

फल एक भटा ऐसा टमाटर ठठेरा

ए फ ऐ भ ठ ट

5. शब्द को चित्र से मिलाओ -

टमाटर

फल

ठठेरा

भटा

6. बंदर बहुत भूखा है ,आओ देखें वह क्या-क्या खायेगा -

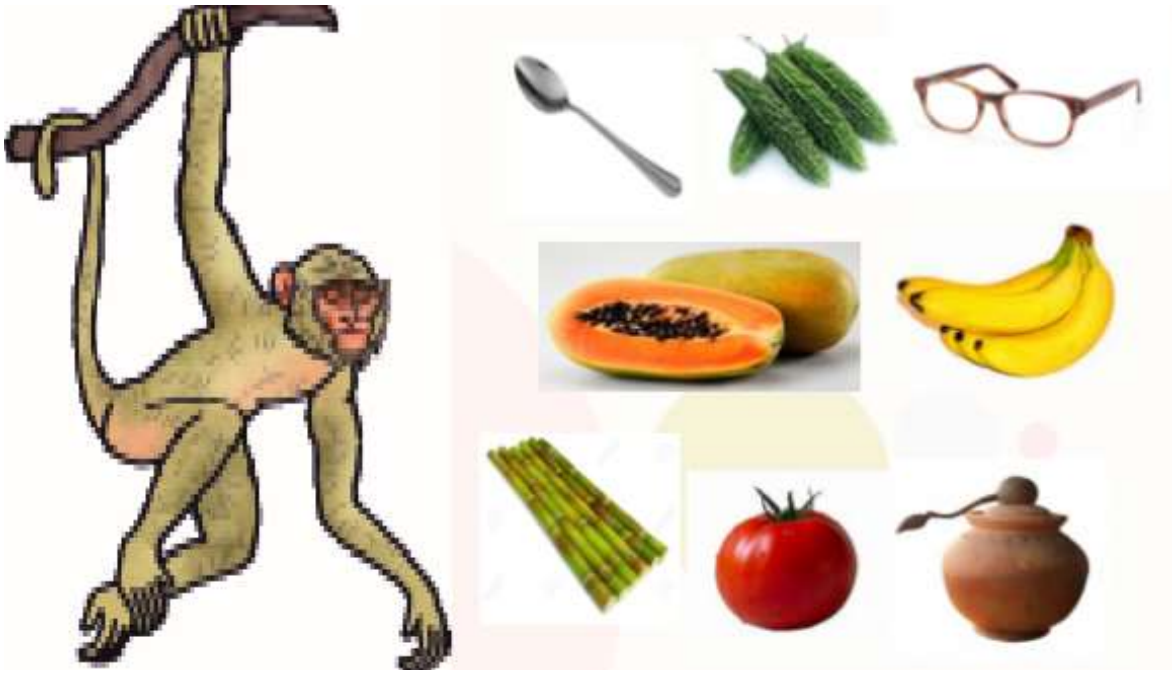

7. आओ कागज का कुत्ता बनाएँ –

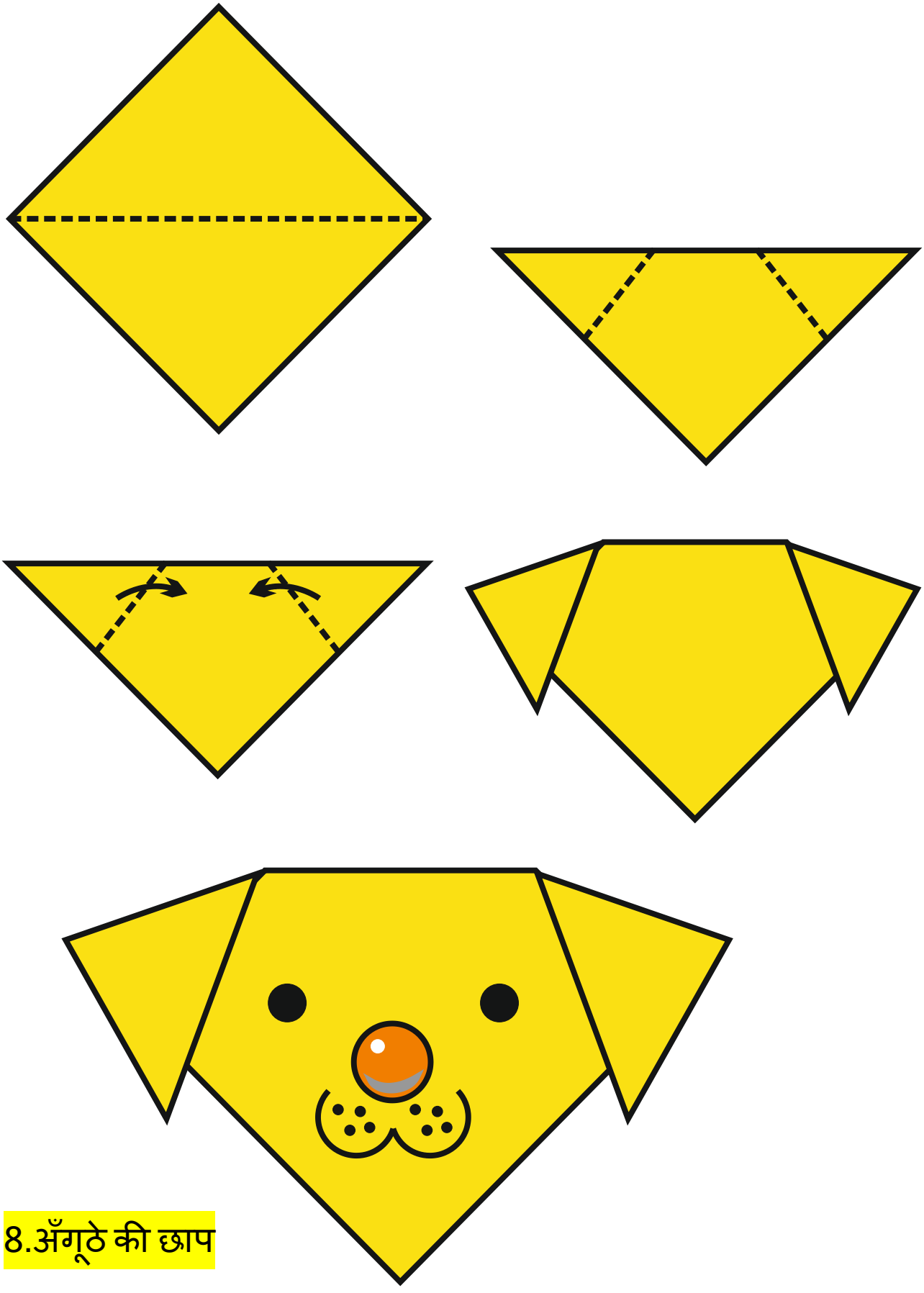

8.अँगूठे की छाप

पहचाना इन्हें ? ये तुम हो और तुम्हारा दोस्त। इनके नाम लिखो।

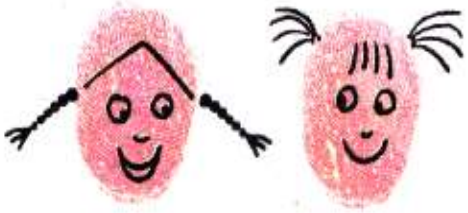

अँगूठे के अंदर

छिपा एक बंदर

उसका एक साथी

मोटा एक हाथी

पहचानो, अँगूठे की इन छापों में

और क्या-क्या छिपा है ?

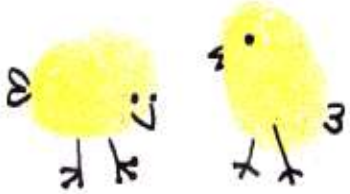

9.अब इन अँगूठों की छाप में तुम भी कुछ जोड़ो।

10. अपने अँगूठे की छाप से कुछ और बनाओ।

पाठ-13

मेला

मेले में झूला, झूले में हम।

जोर से झुलाओ, नहीं डरेंगे हम।

मेले में सरकस, देखेंगे हम।

खाएँगे मिठाई, घूमेंगे हम।

गतिविधि

1. चित्र देखकर पढ़ो और समझो-

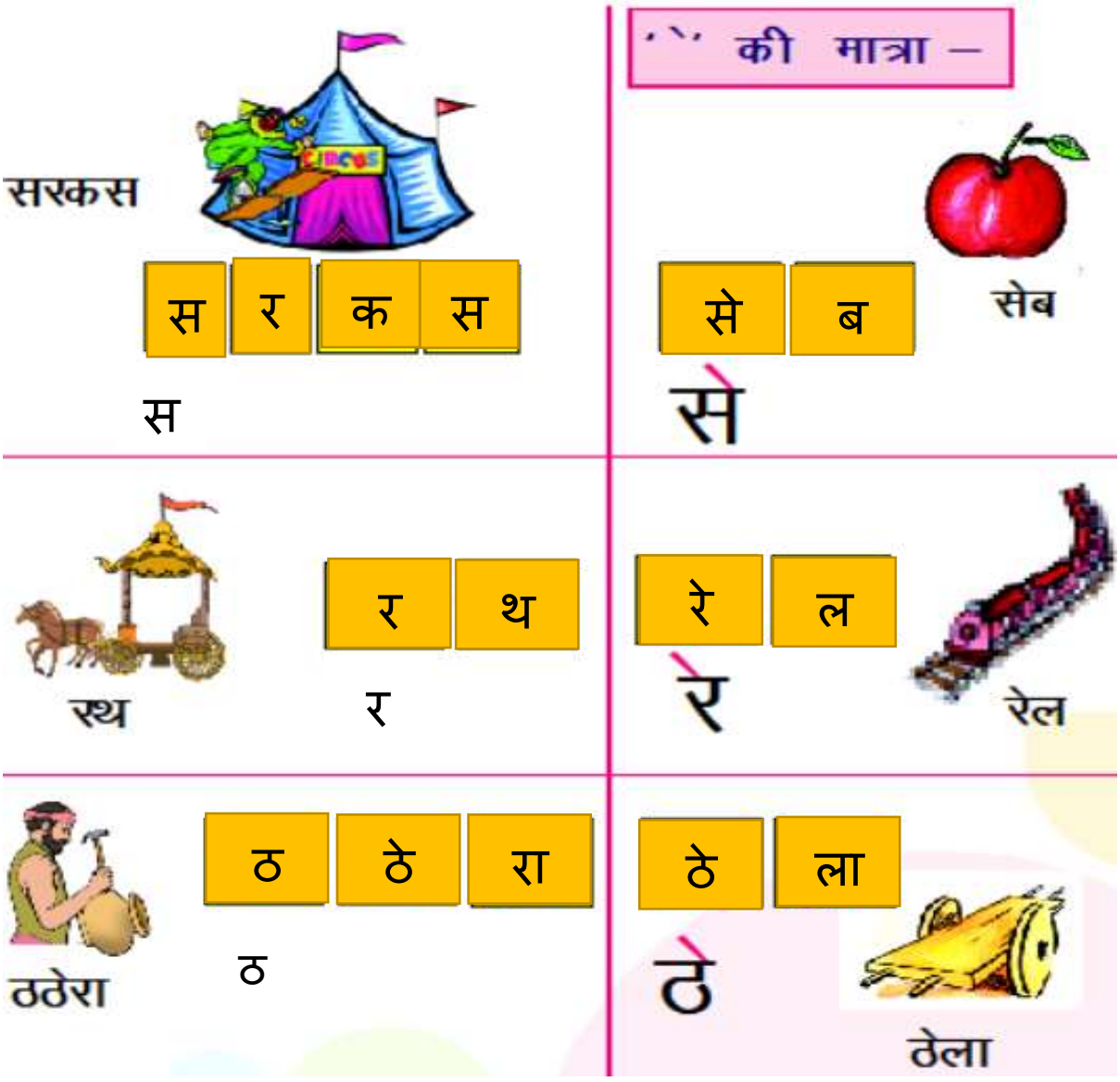

2. इन शब्दों पर ' ै ' की मात्रा लगाकर पूरा करो –

सब	कला	रल	ठला
खत	खल	तल	सठ

2.चित्र देखकर पढ़ो-

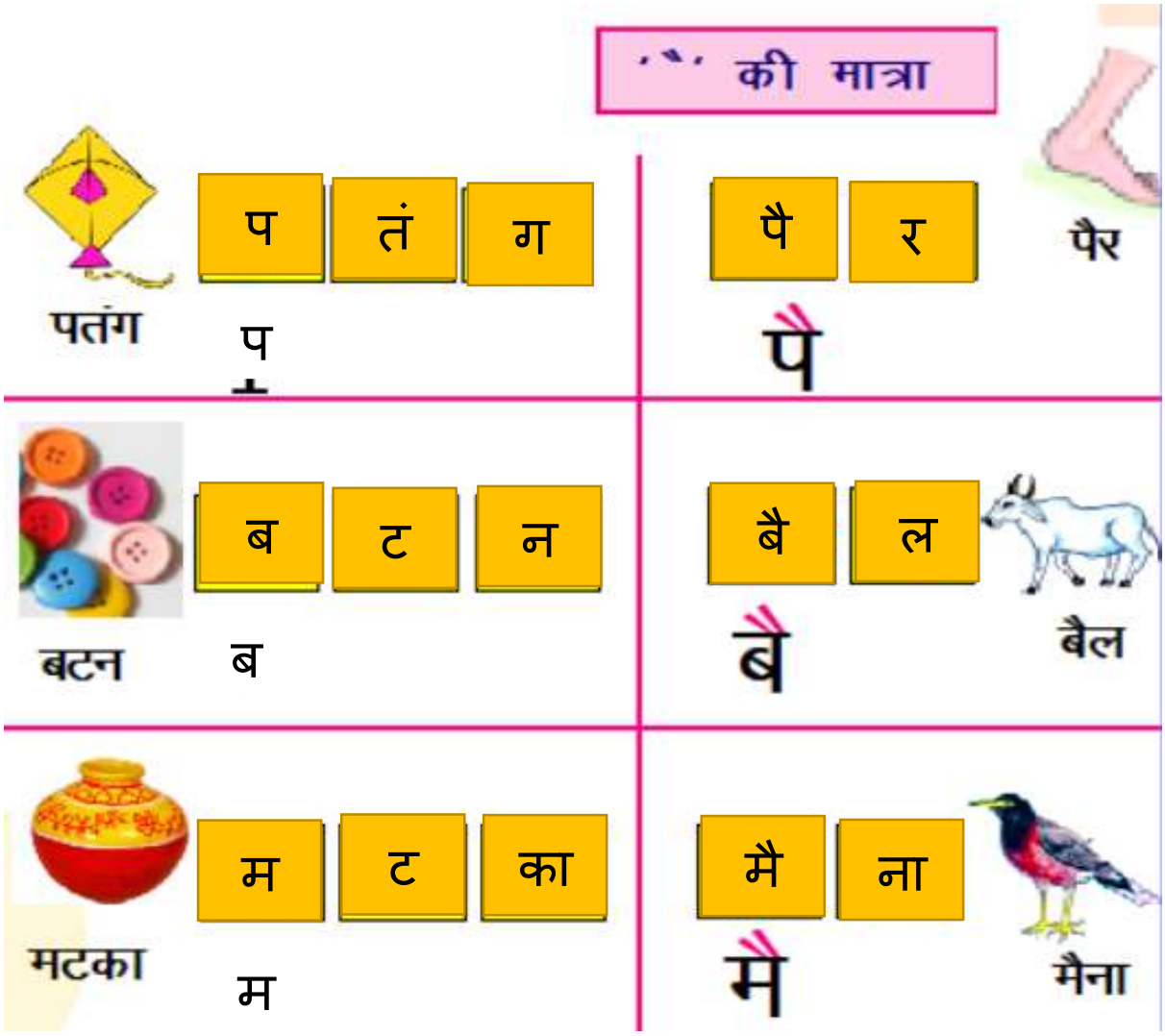

4.पूरा करो –

पर बल मना पसा

5. ' ै ' की मात्रा लगाकर लिखो और पढ़ो -

कसा	-	कैसा	बठा	-	------
मना	-	------	रना	-	------
सर	-	------	जसा	-	------

6. पढ़ो और समझो-

मेला

①
नेहा, मेला देखने चलें ?
हाँ बेला चलते हैं।
दीदी, मैं भी जाऊँगा।
सभी मेला देखने जाते हैं।
②
नेहा, देखो झूला।
अरे वाह! चलो झूला झूलते हैं।
सभी झूला झूलते हैं।

3
नेहा, ठेले में जलेबी बन रही है।
दीदी, केला लेना है।
जलेबी और केला खरीदते हैं।
4
नेहा, मुझे कपड़े खरीदने हैं।
दीदी, जूता लेना है।
बेला ने कपड़े और नेहा ने भाई के लिए जूते खरीदे।
5
चलो अब घर चलते हैं।
सभी बस में बैठकर खुशी–खुशी घर जाते हैं।

7. चलो मेला चलें -

चीजें	तुम खरीदोगे	नहीं खरीदोगे
मोटर कार		
जलेबी		
गुड़िया		
गुब्बारा		
कपड़ा		
मोबाइल		
समोसा		
चप्पल		

पाठ-14

ओढ़नी

मेरी दादी बड़ी निराली,
हरदम चलती छतरी तान।
घर आँगन में घूमा करती,
ष्शाल-ओढ़नी है पहचान।
धनुष-बाण, डमरू से खेले,
और छेड़े मुरली की तान।
कान में मीठी मिसरी घोले,
दादी है औरत की शान।

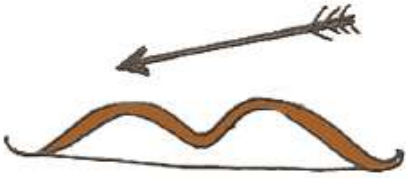

गतिविधि

1. चित्र देखकर पढ़ो और समझो -

ओढ़नी, औरत, डमरू, धनुष, घड़ी, छतरी

2. दिए गए वर्णों के आधार पर शब्दों की पहचान करो -

ओ - ओखली, ओढ़नी, धागा, घर, ओंला

औ - छतरी, औरत, घड़ी, औजार, औषधि

ड - धान, डगर, छाल, डफली, डमरू

घ - औलाद, घर, घना, मछली, अधर

पाठ-15

खिलौनेवाला

चलो खिलौने खेलें हम,
हाथी, भालू ले लें हम।
चाबी वाले कौआ, मोर,
फुदक रहे हैं चारों ओर।

मोनू ने आवाज लगाई,
चौकी-बेलन ले लो भाई
जोकर वाली टोपी ले लो,
खूब मजे से तुम सब खेलो।

गतिविधि

1.चित्र देखकर पढ़ो और समझो –

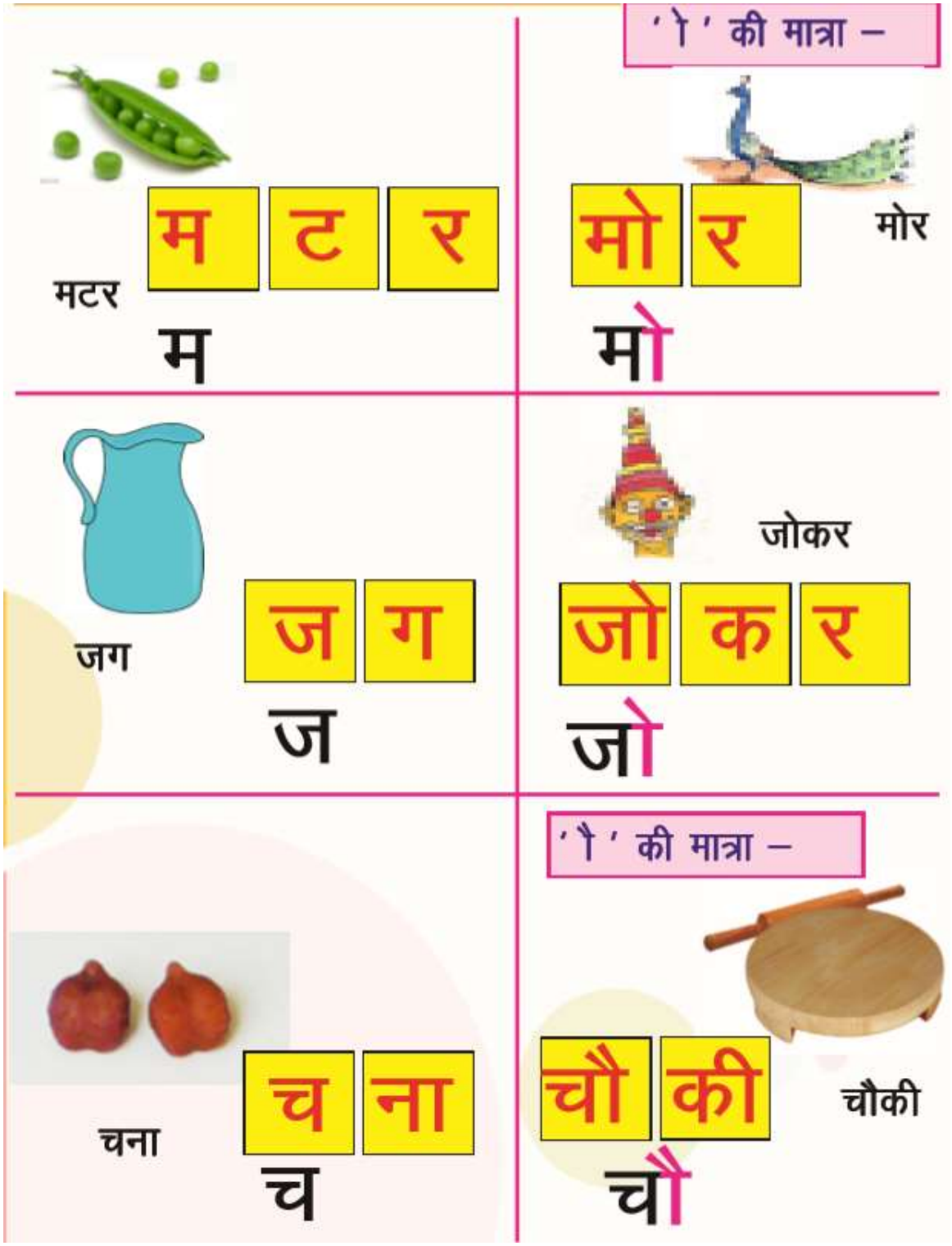

------------ ----------- ----------- --------------- ---------------

3. शब्द बनाकर लिखो और पढ़ो -

मो ----------------

भो र ----------------

शो ----------------

चौ

भौ — की

ला

----

4. चित्रो का नाम लिखकर वाक्य पूरा करो-

5. कौन किससे बना -

लकड़ी	कागज	प्लास्टिक / रबर

6. खाली जगह पर सही वर्ण लिखो-

----म	म-----का	गम----
----नी	गा-----र	अं----र
छत----	-----मरू	हा----
म----र	गि-----स	ना----यल
-----ला	-----लू	धनु-----

निर्देश:-शिक्षक/शिक्षिकाएँ बच्चों के परिवेश में खेले जाने वाले खेल और खिलौनों के विषय पर चर्चा करें और स्कूल में खेलने का मौका दें।

पाठ-16

झंडा

ये है अपना झंडा,

कहते इसे तिरंगा।

झंडा देश की शान है,

हम सबकी पहचान है।

हम सब हँसते-हँसते,

इसको करें नमस्ते।

गतिविधि

अंगूर, झंडा, यज्ञ, थन, षटकोण, ढपली

2. शब्द का चित्र से मिलान करो –

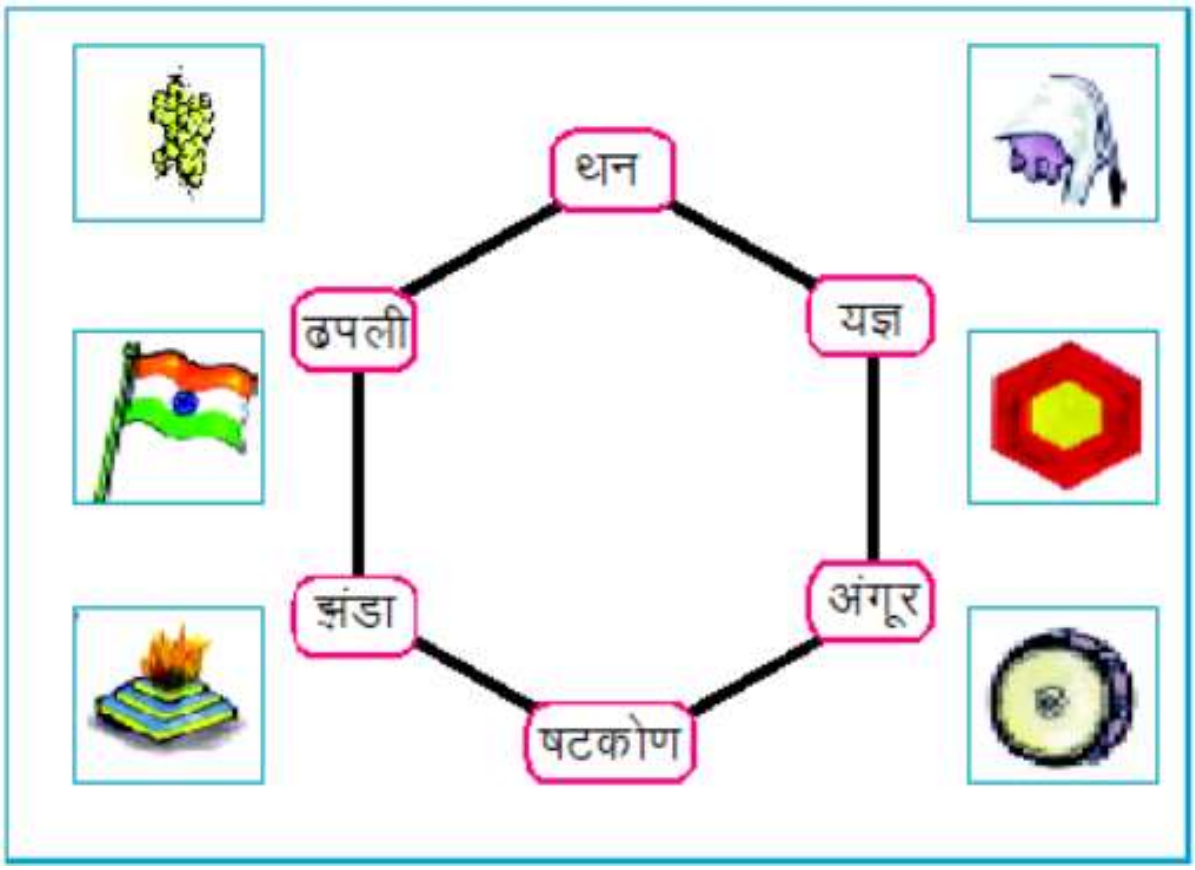

3. बोलकर पढ़ो –

य	थ	ढ	अं	ष	ज्ञ
ष	झ	अं	य	थ	द
य	प	ध	थ	ड	ढ
अ	अं	ष	ब	ज्ञ	इ

4. संजना स्कूल से अपने घर जा रही है बताओ उसे रास्ते में क्या क्या दिखा

बच्चों को नाम पढ़ने में मदद करें।

5. तिरंगे झण्डे के तीन रंग हैं-

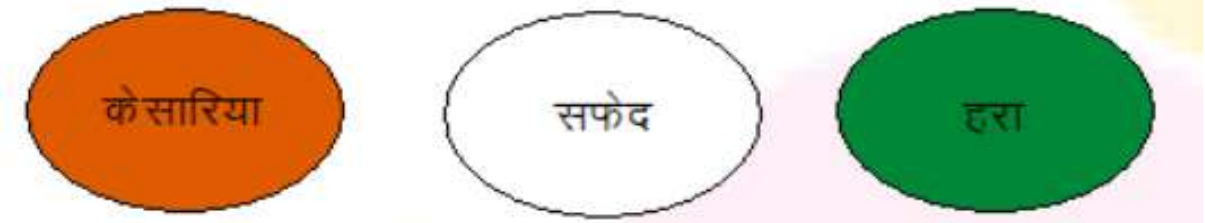

नीचे बनी आकृति में तिरंगे के अलग अलग रंग भरकर उनके रंगो के नाम लिखो।

6. कैसे-कैसे रंग –

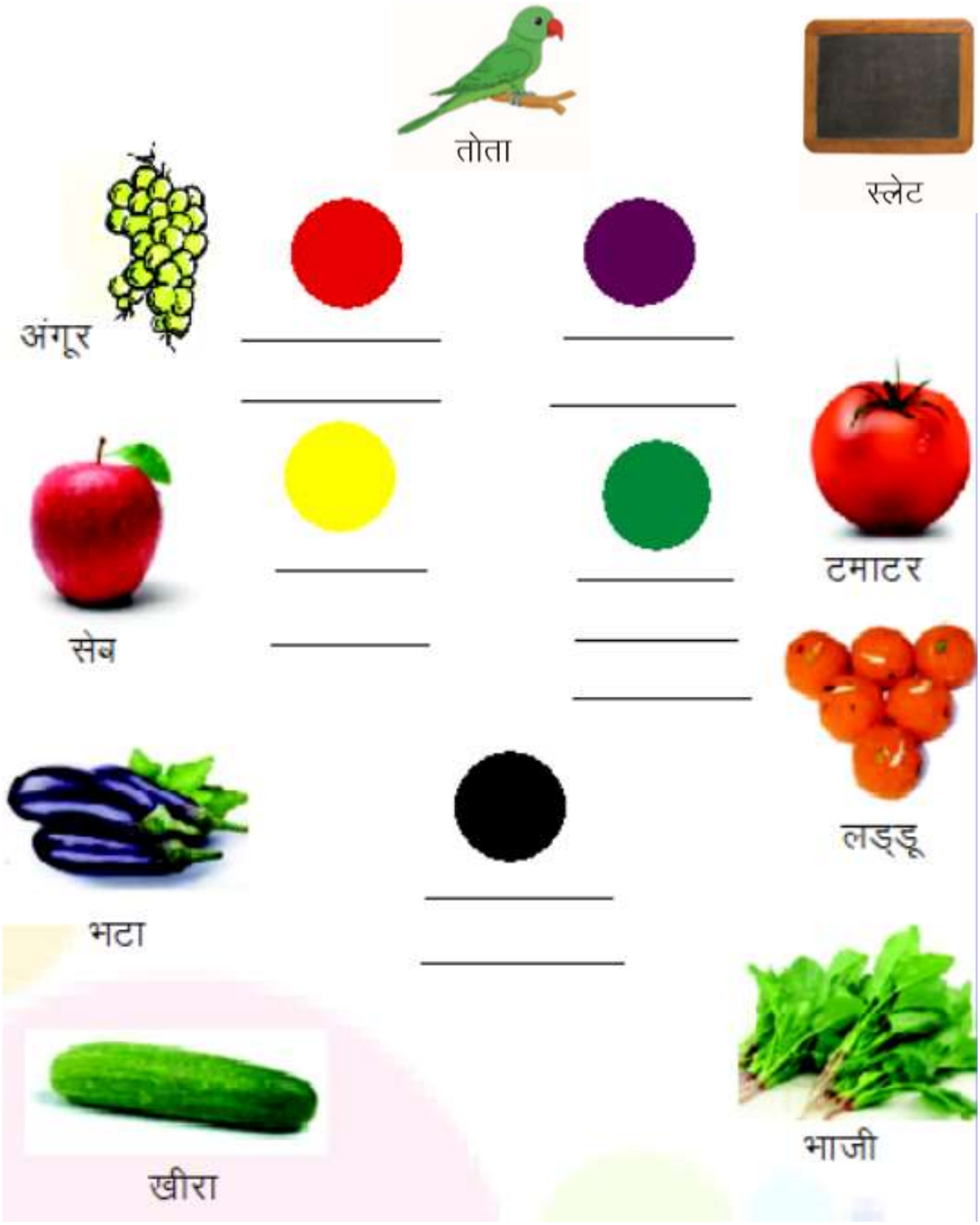

बच्चों को विभिन्न रंगो के नीचे उन रंगो वाली चीजों के नाम लिखने को कहें।

7. चित्र पहचानकर नाम लिखो -

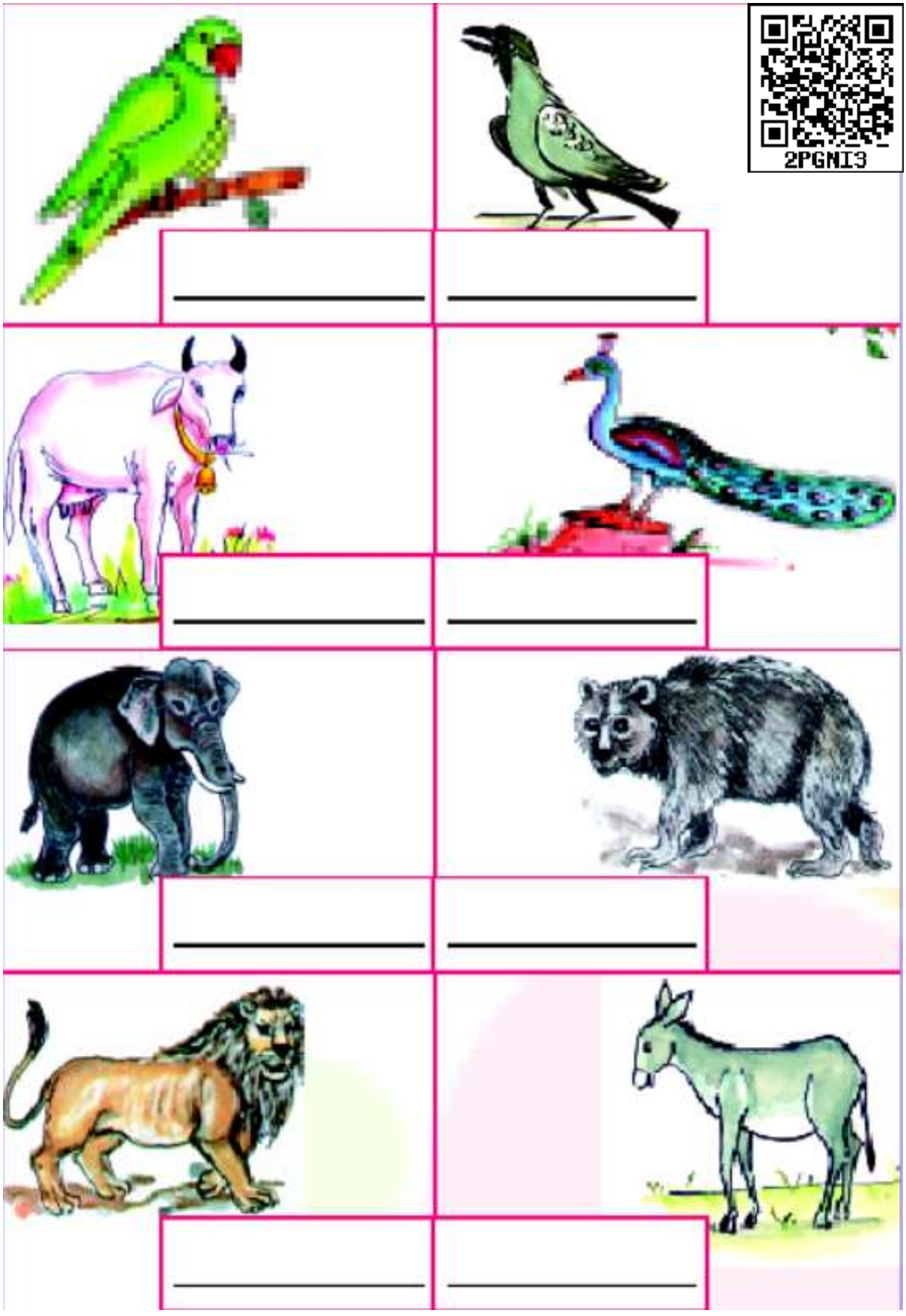

पाठ-17

बंदर और गिलहरी

एक बंदर पेड़ पर बैठा था। बंदर की पूँछ बहुत लंबी थी। इतनी लंबी थी कि जमीन तक लटक रही थी। एक गिलहरी जमीन पर उछल-कूद कर रही थी।

2PQJJQ

अचानक उसे पूँछ दिखाई दी। उसने सोचा-यह झूला कहाँ से आ गया? थोड़ी देर पहले तो नहीं था। वह पूँछ पर चढ़कर झूलने लगी। बंदर को गुदगुदी हुई। उसने नीचे देखा। वह हँस कर बोला-बहन गिलहरी ! यह क्या कर रही हो ? मुझे गुदगुदी हो रही है। गिलहरी चौंकी-बंदर भैया, यह तुम हो? मैं तो तुम्हारी पूँछ को झूला समझकर झूल रही थी। बड़ा मजा आ रहा था।

और गिलहरी हँसती हुई पेड़ की डाली पर चढ़ गई।

गप्पें

बंदर की पूँछ लंबी थी, इतनी लंबी थी,

इतनी लंबी जैसे सड़क

चूहे की मूँछ इतनी घनी थी, इतनी घनी थी,

इतनी घनी थी जैसे .....।

भालू इतना मोटा था, इतना मोटा था,

इतना मोटा था जैसे .....।

ऊँट इतना ऊँचा था, इतना ऊँचा था,

इतना ऊँचा था जैसे .....।

चुहिया इतनी छोटी थी, इतनी छोटी थी,

इतनी छोटी थी जैसे .....।

कुत्ते की पूँछे इतनी टेढ़ी थी, इतनी टेढ़ी थी,

इतनी टेढ़ी थी जैसे .....।

कोयल की ..... इतनी

.....थी.....जैसे

.....।

गतिविधि

1. बच्चों से बातचीत करें -

1. तुम बहुत सारी चीजें खाते हो, जैसे दूध-भात, संतरा, केला। इनके अलावा तुम और क्या-क्या खाते हो ?

.....

.....

.....

2. गिलहरी क्या -क्या खाती है ?

.....

.....

.....

3. बंदर क्या-क्या खाता है ?

.....

.....

.....

2. जानवरों में कौन-कौन उछल-कूद करता होगा?

2PZFLD

गाय	शेर	गधा	गिलहरी
हाथी	खरगोश	बिल्ली	चूहा
कुत्ता	ऊँट		

उछल–कूद करते है	उछल–कूद नहीं करते
----------	----------
----------	----------
----------	----------
----------	----------

3. तुमने इन जानवरों को कहाँ देखा है ? इन जानवरों को तुम्हारी भाषा में क्या कहते हैं ?

पाठ-18

हलीम चला चाँद पर

चलते-चलते अँधेरा हो गया।
हलीम को डर लगने लगा।
उसको तो चाँद तक का
रास्ता पता नहीं था।

थोड़ी देर में उसने
चाँद देखा और
वह खुश हो गया।

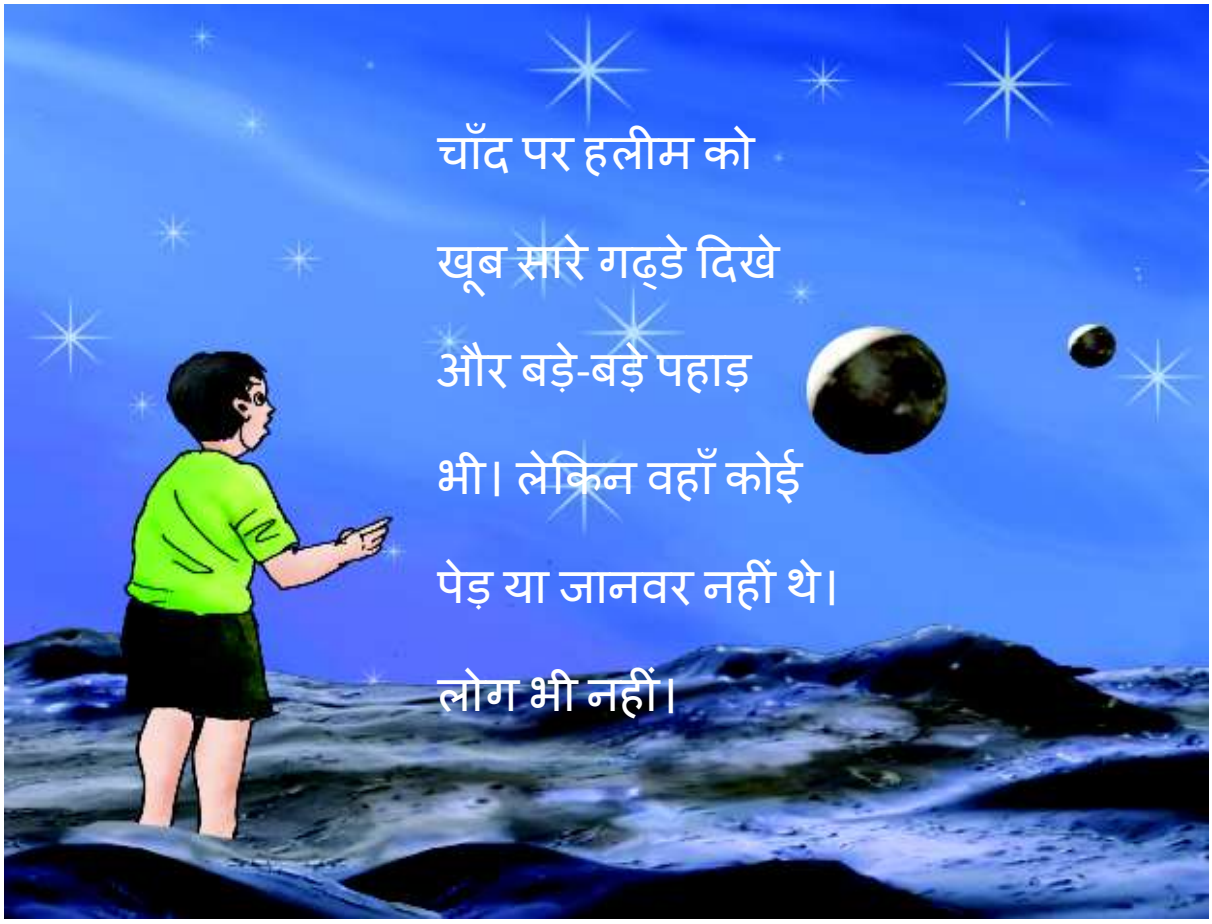
चाँद पर हलीम को
खूब सारे गढ्डे दिखे
और बड़े-बड़े पहाड़
भी। लेकिन वहाँ कोई
पेड़ या जानवर नहीं थे।
लोग भी नहीं।

हलीम ने सोचा-ये
भी कोई जगह है!
चलो वापिस घर चलें।
वह रॉकेट में बैठकर
घर लौट आया।

गतिविधि

1. बच्चों से बातचीत करो –

1. हलीम को रास्ते में क्या-क्या दिखा होगा ?

....

....

....

....

2. हलीम चाँद पर जाना चाहता था। तुम कहाँ जाना चाहोगे और कैसे जाओगे ?

कहाँ	कैसे

3. हलीम को अँधेरे से डर लगता था।
तुम्हें कब-कब डर लगता है ?

…… ……

…… ……

4. फिर तुम क्या करते हो ?

2QI7PN

…… ……

…… ……

2. चाँद और सूरज का चित्र बनाओ-

पाठ-19

2QS3RB

दौड़

आज दौड़ का दिन था।

1

मूली, गाजर और मिरची दौड़ने को तैयार थे।

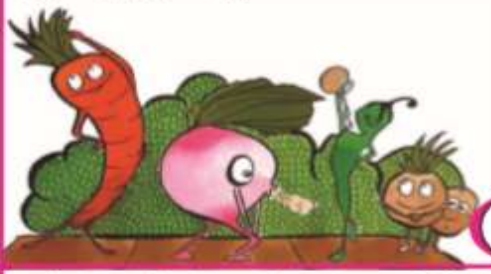

2

लौकी को देखकर सभी मजाक करने लगे।

3

लौकी बोली–"मैं ही जीतूँगी।" मुनगा ने कहा – "फैसला तो मुझे ही करना है।"

4

तभी तेज बारिश हुई। सभी कीचड़ में फिसले, गिरने लगें।

5

लौकी धीरे–धीरे आगे चली। वह दौड़ जीत गई।

6

गतिविधि

1. दौड़ में जिन सब्जियों ने भाग लिया उनके चित्रों को पहचानकर उनके नाम अपनी मातृभाषा में लिखो-

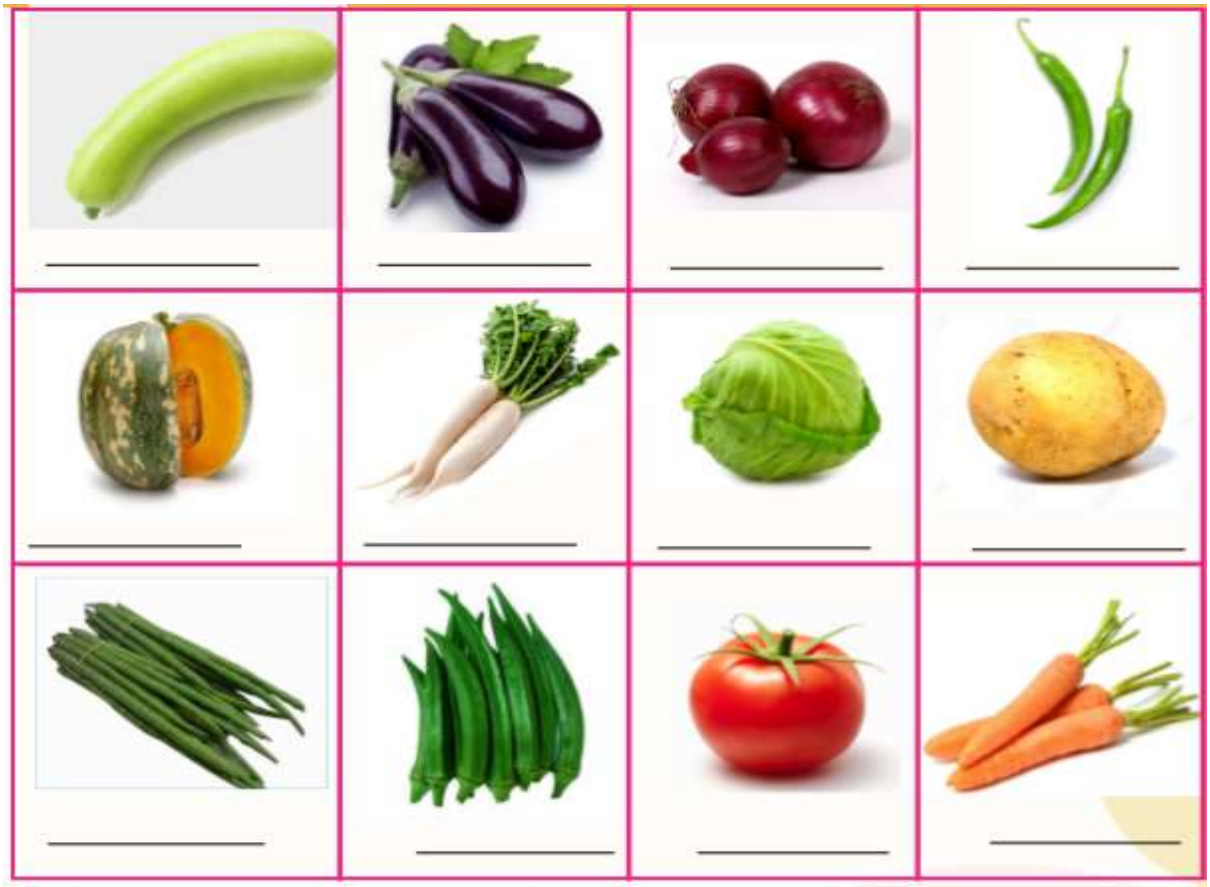

2. लिखो -

क
छ
घ
ब
जो
पू

ड़ी

..... कड़ी .....

.....

.....

.....

.....

.....

3.पढ़ो -

मकड़ी-ककड़ी-लकड़ी

हमने तीन चीज़ें देखीं,

दादा तीन चीज़ें देखीं।

एक डाल पर थी इक मकड़ी,

लकड़ी पर बैठी थी मकड़ी,

मकड़ी खा रही थी ककड़ी।

लकड़ी, मकड़ी ककड़ी,

मकड़ी, ककड़ी, लकड़ी,

ककड़ी, लकड़ी, मकड़ी।

हमने तीन चीज़ें देखीं,

दादा तीन चीज़ें देखीं।

एक खेत में थी कुछ बालू,

बालू पर बैठा था भालू,

भालू खा रहा था आलू।

बालू, भालू, आलू,

भालू, आलू, बालू,

आलू, बालू, भालू।

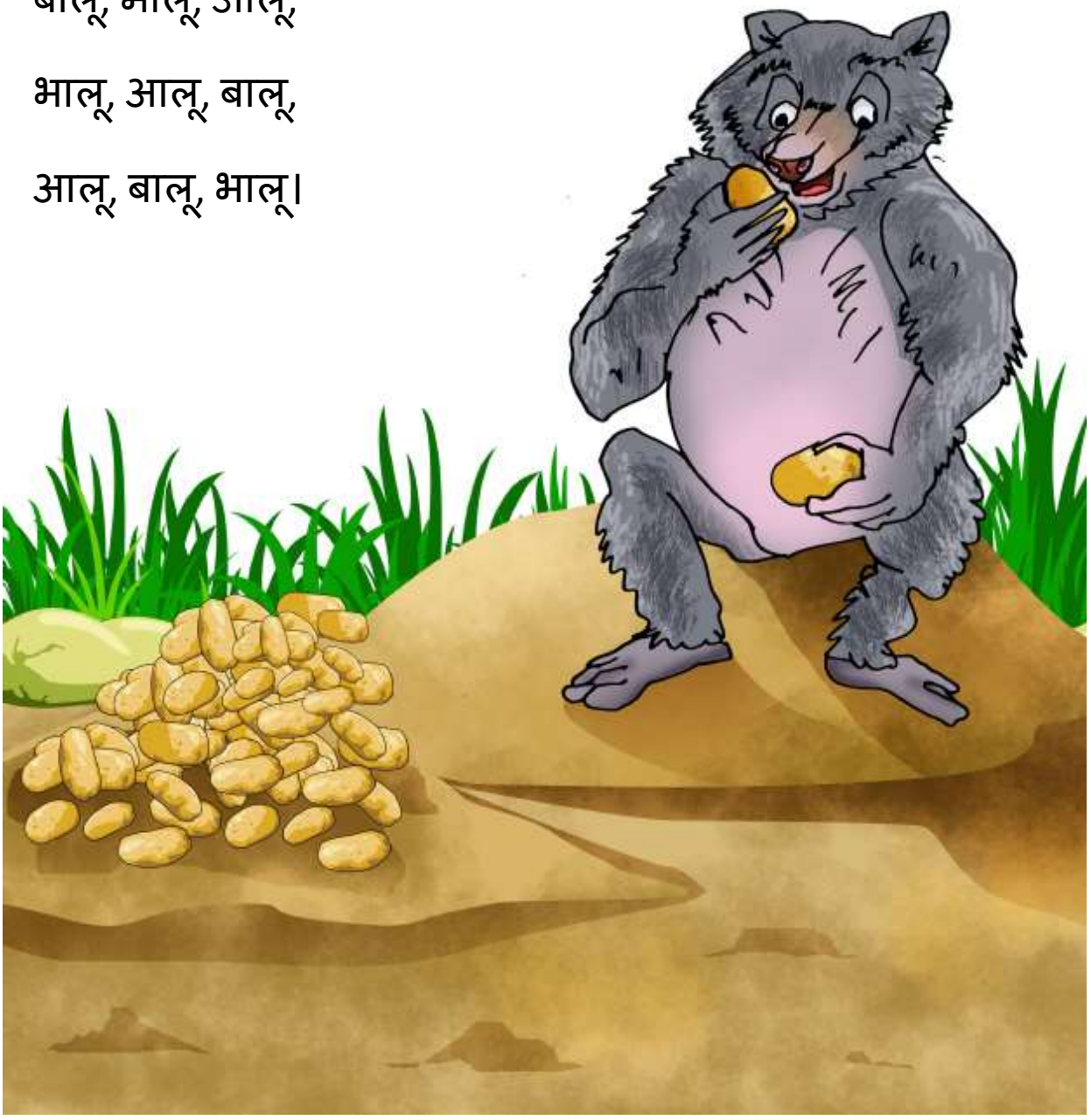

पाठ-20

2RAUUL

इनको भी जानो –

गतिविधि

1. पढ़ो और लिखो –

शलजम	क्षत्रिय	पत्र
--- -----	--------	-------
ज्ञानी	जड़	गढ़
-------	-------	--------
बाण	ऋषि	श्रमिक
--------	--------	---------

2. पहचानो और गोल घेरा ◯ लगाओ

श	शलजम	शहद	तलाश	कुशल
क्ष	क्षत्रिय	अक्षर	शिक्षक	कक्ष
त्र	पत्र	मित्र	छात्र	चित्र
ज्ञ	ज्ञानी	यज्ञ	अज्ञान	विज्ञान
ड़	जड़	जड़ना	लड़की	गुड़िया
ढ़	गढ़	रायगढ़	पढ़ना	बुढ़िया

3. पढ़ो –

श	क्ष	त्र	ज्ञ	ड़	ढ़
त्र	ढ़	श	ड़	क्ष	ज्ञ

4. ' ृ ' की मात्रा

वृ क्ष वृक्ष

गृ ह गृह

मृ ग मृग

कृ ष क कृषक

5. पढ़ो

1. कृषक फसल उगाता है।
2. बाग में वृक्ष लगे हैं।
3. वन में मृग चर रहे हैं।
4. रमा गृह में रहती है।
5. दूध अमृत के समान है।
6. मेरे पिता जी बड़े कृपालु हैं।

6. रास्ता खोजो -

चूजों को
उनकी माँ
तक पहुँचाओ -